सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
जिंदगी कुछ भी दोहराएगी नहीं, जो यादें है वो समेट लो-अज्ञात

वर्ष-01 अंक- 77 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 07 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

विश्व स्वास्थ्य दिवस: स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह दिवस न केवल स्वास्थ्य से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का अवसर है, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का भी संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान ङ्क ये तीनों

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं स्वस्थ रहने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएँ, ताकि एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो।

स्वस्थ जीवन के मूल आधार हैं। यदि हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे सुधार करें, तो बड़े स्तर पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं स्वस्थ रहने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएँ, ताकि एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

पवन खेड़ा के घर असम पुलिस की छापामारी, सीएम हिमंत की पत्नी पर तीन पासपोर्ट रखने का लगाया था आरोप

नई दिल्ली (ए)। असम सीएम हिमंता बिस्वासर्मा की पत्नी पर तीन-तीन पासपोर्ट रखने के आरोप लगाने के बाद अब वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं।

मंगलवार 7 अप्रैल को निजामउद्दीन स्थित पवन खेड़ा के घर पास असम क्राइम ब्रांच की टीम पहुंची है। उनकी पत्नी ने असम पुलिस में प्रताड़ित करने की शिकायत की थी। जिस संबंध में जांच के लिए असम पुलिस उनके घर पर आई हुई है। इस दौरान उनके आवास पर दिल्ली पुलिस की टीम भी मौजूद है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासर्मा ने अपनी पत्नी के खिलाफआरोपों को खारिज करते हुए धमकी दी थी। उन्होंने कहा था, 'पवन खेड़ा, पवन पेड़ा बन जाएगा। वो कांग्रेस नेता के नाम पर एक नाटक है, जिसमें कोई मिठास नहीं है।' उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे। बता दें कि बिस्वासर्मा ने 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी और बीजेपी में शामिल हो गए थे।

सरकार का रवैया कोरोना महामारी जैसा: राहुल गांधी

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में तनाव चल रहे है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलपीजी गैस संकट से उसी तरह निपटा है, जैसे उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटा था। उन्होंने आगे कहा कि क्योंकि यह नीति से रहित, केवल बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा है। इसका पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल उठाया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? वहीं, लोगों से चुप न रहने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स के एक पोस्ट में कहा, मोदी जी ने कहा था 'हम एलपीजी गैस संकट को उसी तरह संभालेंगे जैसे हमने कोविड को संभाला था।' और वास्तव में, उन्होंने ठीक वैसा ही किया। बिल्कुल कोविड की तरह - नीति का अभाव, बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा हुआ, और सारा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 500-800 रुपये की मजदूरी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए खाना पकाने की गैस पूरी तरह से महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि रात में घर लौट रहे एक मजदूर के पास चूल्हा जलाने के लिए भी पैसे नहीं होते। उन्होंने आरोप लगाया कि परिणाम क्या हुआ? शहर छोड़कर गांव भाग जाना। कपड़ा मिलों और कारखानों की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले मजदूर आज खुद टूटने की कगार पर हैं। उन्होंने आगे कहा, वस्त्र क्षेत्र पहले से ही आईसीयू में है। विनिर्माण क्षेत्र सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा है। और इस संकट की जड़ कहां है? उस कूटनीतिक चूक से जो वार्ता की मेज पर हुई - जिसे सरकार आज तक स्वीकार करने से इनकार करती है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब अहंकार नीति बन जाता है, तो अर्थव्यवस्था चरमरा जाती है।

असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त : प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली (ए.)। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को डिब्रूगढ़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। जनसभा में भारी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें डिब्रूगढ़ आने का कई बार अवसर मिला है, लेकिन इस बार जो जोश और उत्साह देखने को मिला है, वह अभूतपूर्व है।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह जनसमर्थन कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस पहले से ही हैरान-परेशान है और मतदान से ठीक पहले इस तरह की तस्वीरें उसे और पस्त कर देंगी। जनता का यह उत्साह एक मजबूत संदेश दे रहा है। उन्होंने असम की सांस्कृतिक विविधता और एकता की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की शानदार विरासत रही है। अहोम, कोच-राजबंशी, मोरान, मोतोक, मिसिंग, देवरी जैसे कई समाज सदियों से सौहार्द के साथ यहां रहते आए हैं। कोई

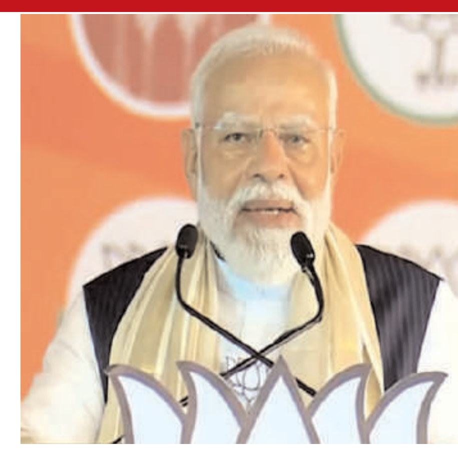

असमिया बोलता है, कोई बांग्ला और कोई हिंदी, लेकिन हर किसी का सपना एक ही है, विकसित असम और विकसित भारत। उन्होंने असम के महान नेताओं और विभूतियों को भी याद किया। उन्होंने भूपेन हजारिका, गोपीनाथ बोरदोलोई और ज्योति प्रसाद अग्रवाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महान हस्तियों ने असम समाज को दिशा दी है। इन्हीं पूर्वजों की प्रेरणा से भाजपा-एनडीए सरकार डिब्रूगढ़ को एक बड़े व्यापारिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित कर रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़ तक का हाईवे कांग्रेस की असम के प्रति उपेक्षा का स्पष्ट उदाहरण है। यह परियोजना 2005 में स्वीकृत हुई थी, लेकिन 2013 तक इसमें कोई प्रगति नहीं हुई, जबकि इस दौरान केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के साथ सौतेला व्यवहार किया, जिसके कारण अपर असम और बराक घाटी जैसे क्षेत्रों का विकास प्रभावित हुआ। इस उपेक्षा के चलते असम लंबे समय तक पिछड़ा और विभाजित रहा। कांग्रेस के दशकों के कुशासन ने असम की कनेक्टिविटी की कोई चिंता नहीं की। बोगिबिल ब्रिज हो, भूपेन हजारिका सेतु हो, जोरहाट-माजुली सेतु हो, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों पर बन रहे ऐसे सेतु इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर पहुंचा रहे हैं।

आर.टी.ई. के तहत प्रवेश न देने वाले निजी विद्यालयों की मान्यता होगी रद्द

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, अप्रैल 2010 से प्रभावी है। इसके अंतर्गत प्रदेश के गैर-अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर, दुर्बल वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को उनके निवास क्षेत्र के भीतर प्रवेश दिलाया जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब बच्चों की शिक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी स्कूलों को नर्सरी या कक्षा 1 में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इसके बदले राज्य सरकार प्रति बच्चा व्यय के आधार पर स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करती है। यह राशि सरकारी स्कूल में प्रति बच्चे पर होने वाले खर्च या निजी स्कूल की वास्तविक फीस (दोनों में से जो भी कम हो) के आधार पर निर्धारित की जाती है।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि आगामी 9 अप्रैल को सुश्री अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं। यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है। उन्होंने कहा कि अमिता का यह

अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती। प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी और छत्तीसगढ़ सहित पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री ने अमिता श्रीवास को इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

थानों में सीसीटीव्ही कैमरे लगाने का मामला, आज अदालत में हाजिर रहें केंद्रीय गृह सचिव

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृह सचिव को मंगलवार को अदालत में पेश होने को कहा है, ताकि थानों में सीसीटीवी लगाने की योजना पर सही तरीके से काम हो सके। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने आज यह आदेश दिया। कोर्ट थानों में सीसीटीवी की कमी पर स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने केंद्र की ओर से पेश वकील से हाल में आई एक मीडिया रिपोर्ट के बारे में पूछा।

इस रिपोर्ट में बताया गया था कि एक चीनी कंपनी के बनाए हुए सीसीटीवी कैमरे कई जगह से सुरक्षा कारणों से हटा जा रहे हैं। रिपोर्ट का हवाला देते हुए जस्टिस मेहता ने कहा कि सरकार ने खुद ही निर्देश दिए हैं कि पड़ोसी देश से आए कैमरों को हटाया जाए, क्योंकि वे डाटा रिकॉर्ड करके उसी देश में भेज रहे हैं। बेंच ने पाया, सरकार ने विशेष कैमरों को हटाने के निर्देश जारी किए हैं। केंद्र सरकार की ओर पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने कहा, इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया गया है। वरिष्ठ वकील इस मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) नियुक्त हैं। उन्होंने बेंच को बताया कि अधिकांश राज्यों ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और वे केंद्रीकृत डैशबोर्ड बनाने की प्रक्रिया में हैं। जब दवे ने कहा, केरल में सबसे अच्छी व्यवस्था है, तो जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, अगर आप कह रहे हैं कि केरल में सबसे अच्छी व्यवस्था है, तो अन्य राज्य इसका अनुसरण क्यों नहीं कर सकते? बेंच ने कहा, इस पर अधिकारियों को चर्चा करनी चाहिए। एएसजी ठाकरे ने कहा, 60 फीसदी निधि केंद्र सरकार की ओर से दी जाती है। बेंच को सूचित किया गया कि एक अवर सचिव स्तर के अधिकारी ने उस बैठक में भाग लिया था, जो उन मुद्दों की व्यवहार्यता, तरीकों और कार्यान्वयन ढांचे पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित की गई थी। बेंच ने असंतोष जताते हुए ठाकरे से कहा, हम आदेश पारित कर रहे हैं और आप बैठक में एक अवर सचिव स्तर के अधिकारी को भेज रहे हैं? इसके बाद ठाकरे ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि बैठक में उच्च स्तर का अधिकारी मौजूद रहेगा।

जनता कमल सेतु : आपकी एक 'नमस्ते' पर दौड़ेगा प्रशासन, वैशाली नगर में समस्याओं के अंत का डिजिटल युग शुरू

भिलाई नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' विजन को धरातल पर उतारने की दिशा में वैशाली नगर विधानसभा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वैशाली नगर अब छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा विधानसभा क्षेत्र बन गया है, जहां जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 'जनता कमल सेतु एआई' प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई है।

विधायक रिकेश सेन की इस अभिनव पहल से अब जनता और जनप्रतिनिधि के बीच की दूरी पूरी तरह खत्म हो गई है। यह केवल एक चैटबॉट नहीं, बल्कि एक संपूर्ण डिजिटल सहायता केंद्र है जो 24×7 नागरिकों की सेवा में उपलब्ध रहेगा।

क्षेत्र की जनता को अब अपनी शिकायतों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। प्रक्रिया बेहद सरल है, मोबाइल नंबर 9977891333 को 'जनता कमल सेतु' नाम से सेव करना होगा। वाट्सएप पर सिर्फ नमस्ते या हैलो भेजते ही एआई सक्रिय हो जाएगा। नागरिक अपनी समस्या को लिखकर, बोल कर या फोटो खींचकर भेज सकते हैं। शिकायत दर्ज होते

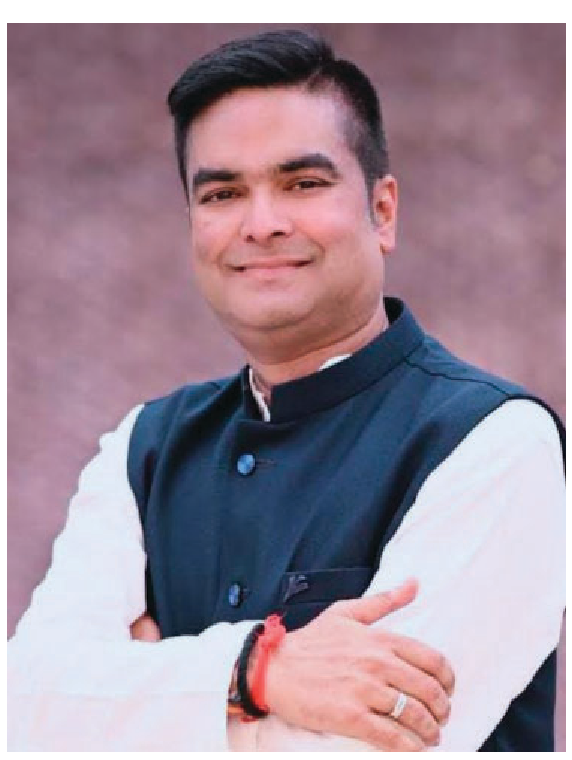

ही एक टिकट आईडी जनरेट होगी, जिससे नागरिक अपनी समस्या के निराकरण की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।

इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है। एआई सिस्टम प्राप्त शिकायतों को सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचाता है। जैसे ही समस्या का समाधान होता है, नागरिक को सीधे उनके वाट्सएप पर अपडेट प्राप्त हो जाता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, बल्कि सरकारी कामकाज में जवाबदेही भी बढ़ेगी।

रिकेश सेन द्वारा शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म बहुआयामी है। समस्याओं के समाधान के आलावा यह विद्यार्थियों की पढ़ाई से जुड़ी सहायता, युवाओं के करियर मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर, महिलाएं के लिए स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी, बुजुर्गों की सरकारी पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की सरल व्याख्या में भी सहयोगी होगा। इस पहल पर विधायक रिकेश सेन का कहना है कि तकनीक का सही उपयोग जनसेवा को सरल और सुलभ बनाने के लिए होना चाहिए। 'जनता कमल सेतु' जनता और उनके विधायक के बीच विश्वास का एक मजबूत पुल है। छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में यह तकनीक के माध्यम से जनसेवा का एक 'अद्भुत मॉडल' बनकर उभरा है। आपको बता दें कि जनता कमल सेतु की 24◊7 उपलब्धता है, इसमें किसी भी समय शिकायत दर्ज की जा सकेगी। साथ ही किसी भी भाषा में बातचीत की सुविधा है। भाजपा स्थापना दिवस पर शुरू इस सेवा के बाद वैशाली नगर विधानसभा छत्तीसगढ़ का पहला एआई-पावर्ड विधानसभा क्षेत्र बन गया है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लाएं तेजी, लक्ष्य अनुरूप करें कार्य : कलेक्टर

मोहला । योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करना विभागीय अधिकारियों का दायित्व है। शासन की मंशानुसार योजनाओं के लक्ष्य अनुरूप प्रगति में तेजी लाएं, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके। उक्त बातें कलेटर तुलिका प्रजापति ने कलेटोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कही।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर, अपर कलेटर जी.आर. मरकाम, अपर कलेटर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेटर श्रीमती प्रजापति ने विभिन्न विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के वेतन संबंधी जानकारी लेते हुए कहा कि जिन विभागों के कर्मचारियों का वेतन लंबित है, उन्हें अतिशीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से पोर्टल का अवलोकन कर प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। उन्होंने आर्थिक सहायता अंतर्गत प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समाज कल्याण विभाग को प्रकरण बनाने एवं श्रम विभाग को संबंधित प्रकरणों में विलंब पर नाराजगी व्यक्त की। बैंक कवरेज की समीक्षा करते हुए उन्होंने आरसेटी के कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही बैंक कॉरेस्पॉन्डेंट के नाम चस्पा करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को विीय लेन-देन में सुविधा मिल सके। उन्होंने व्यापार एवं उद्योग केंद्र अंतर्गत विभिन्न स्वीकृतियों एवं लंबित ऋण प्रकरणों की जानकारी ली। केसीसी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेटर ने कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग को एलडीएम की उपस्थिति में प्रकरणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों के ऋण प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती की जानकारी ली तथा महतारी वंदन योजना के ई-केवाईसी की प्रगति पर आवश्यक निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उन्होंने गर्भवती पंजीयन, उच्च जोखिम गर्भवती चिन्हांकन, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम गर्भवती की समय पर पहचान से मातृ एवं शिशु मृत्यु को रोका जा सकता है। आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड में बेहतर प्रगति लाने तथा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विकासखंडवार कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सिकल सेल नियंत्रण के लिए ग्रामीण स्तर पर विशेष कार्य करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत की समीक्षा के दौरान उन्होंने पीएम आवास (शहरी), विश्वकर्मा योजना, एनिमल बर्थ कंट्रोल, जल आवर्धन योजना, मुयमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, धनवंतरी योजना एवं अवैध प्लॉटिंग की समीक्षा की।

उन्होंने अवैध प्लॉटिंग पर सेत कार्रवाई के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारी ने बताया कि नालंदा परिसर का कार्य प्रगति पर है तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण नियमित रूप से किया जा रहा है। आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा में उन्होंने वनाधिकार पट्टा वितरण की जानकारी ली तथा अधिकारियों को हॉस्टल एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारी ने बताया गया कि सभी कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। इस दौरान छात्रवृ्ि, हॉस्टल निर्माण एवं मरेमत कार्यों की भी समीक्षा की गई। एकलव्य आवासीय विद्यालय की प्रगति पर उन्होंने गठित समिति को निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र को हमेशा पहली प्राथमिकता देता है : किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रवेश अध्यक्ष किरण देव ने सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई दी है। श्री देव ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्र को पहली प्राथमिकता देता है। जन सेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पितृ पुरुषों ने राष्ट्र के विकास के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता विजयाराजे सिंधिया, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास में भाजपा के पितृ पुरुषों की सहभागिता महत्वपूर्ण रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के साथ ही देश में एक नई राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न हुई। श्री देव ने कहा कि भाजपा का एक संविधान है जो अपने संविधान के तहत सालभर विभिन्न कार्यक्रम

आयोजित करती है। हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा है भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलेबी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सेयता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता

नियद नेल्लानार योजना : बीजापुर के पालनार में स्वास्थ्य क्रांति, 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' से सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को मिल रही नई सौगात

बीजापुर ।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए संचालित 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गाँव) योजना अब धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही है। जिला बीजापुर के दुर्गम क्षेत्र ग्राम पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के खुलने से 28 जनवरी 2026 से अब तक सैकड़ों ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पालनार और आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य के प्रति आई इस जागरूकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस अल्प अवधि में ही कुल 747 मरीजों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार 16 मरीजों को भर्ती कर उनका सफलतापूर्वक उपचार किया गया। पहले जिन ग्रामीणों को छोटी बीमारियों के लिए भी मीलों पैदल चलना पड़ता था, उन्हें अब विशेषज्ञ परामर्श और नि:शुल्क दवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस केंद्र में अब तक 5 सुरक्षित प्रसव कराए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप, नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु नवजातों के जन्म प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही, क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं और 18 धात्री माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित किया गया है। योजना के तहत गैर-संचारी रोगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पालनार केंद्र में अब तक 250 ग्रामीणों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई, जिसमे 25 मरीज उच्च रक्तचाप से ग्रसित पाए गए। 12 मरीज मधुमेह से पीड़ित मिले। 1 ग्रामीण में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण मिलने पर तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र हेतु रेफर किया गया। पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सफलता यह दर्शाती है कि शासन की योजनाएं अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

जिला कांग्रेस कमेटी में चन्द्रेश वर्मा बने महामंत्री

राजनांदगांव ।प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज,जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जिलाध्यक्ष विपिन यादव की अनुशंसा पर घुमका के वरिष्ठ, अनुभवी व कद्दावर नेता, वर्तमान जनपद सदस्य अधिवक्ता चन्द्रेश कुमार वर्मा को जिला महामंत्री के पद से जवाजा गया है,पिछले 35 वर्षों से कांग्रेस के लिए एक निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में राजनीति की शुरुआत करने वाले वर्मा ने युवा कांग्रेस अध्यक्ष,तीन बार जनपद सदस्य व कांग्रेस पार्टी में जिला संयुक्त महामंत्री और कई पदों पर रहकर कुशलता पूर्वक नेतृत्व कर चुके हैं,वे जमीन से जुड़े नेता के रूप मे क्षेत्र में जाने जाते हैं। इनकी नियुक्ति से पूरे डोंगरगढ़ विधानसभा सहित घुमका क्षेत्र में कांग्रेसियों में हर्ष का माहौल है।श्री वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृव का आभार जताया है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव। कृषि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत तहसील कुमरदा क्षेत्र के कृषकों को अन्य जिलों में प्रगतिशील कृषकों के फार्म एवं खेतों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान किसानों को खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के युवा किसान सौरभ जंघेल के फार्म हाउस का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें मशरूम उत्पादन एवं जैविक खेती के माध्यम से आय बढ़ाने के तरीके बताए गए। साथ ही गण्डई क्षेत्र में पड़त भूमि पर की जा रही ड्रैगन ्रुट की खेती का भी अवलोकन कराया गया तथा इसके उत्पादन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। किसानों को कबीरधाम जिले के कृषक श्री रूपेश जायसवाल के खेतों का भी भ्रमण कराया गया, जहां 27 एकड़ में खरबूजा, 12 एकड़ में पपीता एवं टमाटर सहित अन्य फसलों की उन्नत खेती की जा रही है। किसानों को बताया गया कि रबी सीजन में इन फसलों को धान के विकल्प के रूप में अपनाकर बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। लोहारा विकासखंड के भ्रमण के दौरान किसान समूहों द्वारा सामूहिक खेती, बाजार सुविधा, कीट एवं रोग नियंत्रण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी सुदेश कुमार पटेल सहित अन्य कृषि अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर के युवा अब देश के विकास में होंगे सहभागी : चिंटू सोनकर

भाजयुमो ने जताया केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार का आभार

राजनांदगांव । भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष चिंटू सोनकर ने नक्सल मुक्त भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उनकी पूरी सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश अब नक्सल मुक्त हो गया है इसके लिए हमारे सैकड़ों जवानों ने अपनी शहादत दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ ईच्छाशक्ति एवं संकल्प एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के लगातार प्रयासों से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने की ऐतिहासिक अवसर पर जिला मुख्यालयों में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजयुमो जिला अध्यक्ष चिंटू सोनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक टाईमलाइन के तहत एक लक्ष्य निर्धारित कर नक्सलवाद का समूल नाश किया है। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने से अब बस्तर के युवा खुलकर बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को प्रचारित करेंगे। बस्तर के युवा यूपीएससी जैसे परीक्षा में सफल होकर छत्तीसगढ़ का मान बढ़ा रहे है। नक्सलवाद बस्तर समेत पूरे देश के लिए एक नासूर था जिसके खात्मे से अब बस्तर जल्द ही विकसित बस्तर बनेगा और छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद मुक्त बनाने का लक्ष्य यह केवल संकल्प नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सुरक्षा बलों और जनता के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बनने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उक्त कार्यक्रम में दक्षिण मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, उत्तर मंडल अध्यक्ष सुमित भाटिया, मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश मार्कण्डेय मंडल मंत्री प्रवीण शुक्ला, जिला महामंत्री आशुतोष सिंह, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सौरभ चौहान, जिला मंत्री उज्ज्वल कसेर, कमलेश प्रजापति, यश पारख, महामंत्री आशीष जैन, हिमांशु सोनवानी, आशीष सोरी, रोहित सिन्हा, विकाश साहू, संयम जैन, रिभय यादव, हर्ष देव चौधरी, करण कोसरे, दीपक सिन्हा, अभिषेक सोरी, विवेक वैष्णव, अमन जायसवाल, अविरल मिश्रा, सहित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित किए।

मोतीपुर में प्याऊ घर सेवा का हुआ शुभारंभ : भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराना एक पुण्य का कार्य

राजनांदगांव । महर्षि वाग्भट्ट गौ संवर्धन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा राजनांदगांव शहर के आजाद चौक मोतीपुर स्थित हनुमान मंदिर एवं ढाबा रोड स्थित भोलेनाथ मंदिर में प्याऊ घर सेवा का शुभारंभ किया गया। प्याऊ घर सेवा के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता एवं समाजसेवी शिव वर्मा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा मटकों पर राम नाम अंकित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल दान को सर्वोाम दान माना गया है। भीषण गर्मी के समय राहगीरों, जरूरतमंदों एवं आमजन को शीतल जल उपलेध कराना एक पुण्य कार्य है। उन्होंने मटके के पानी के महत्व को बताते हुए कहा कि यह प्राकृतिक रूप से शीतल, स्वास्थ्यवर्धक एवं पर्यावरण के अनुकूल होता है, जबकि बोतलबंद, पाउच एवं फ्रिज का अत्यधिक ठंडा पानी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। समाजसेवी शिव वर्मा ने कहा कि प्याऊ घर सेवा न केवल राहगीरों को शीतल जल उपलेध कराती है, बल्कि मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करती है। इसके माध्यम से समाज में सहयोग और सेवा के संस्कार विकसित होते हैं।

संस्थान के सदस्य धर्मराज यादव ने बताया कि प्याऊ घर सेवा के लिए शिव शक्ति धर्मार्थ सार्वजनिक सेवा समिति चिखली द्वारा नि:शुल्क मटकों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यह सेवा ग्रीष्मकाल के दौरान निरंतर संचालित की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। इस दौरान राहगीरों को शीतल जल के साथ शर्बत का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में जी.आर. देवांगन, नरेन्द्र देवांगन, पुरूषोाम देवांगन सहित शिक्षा संस्कार पाठशाला के बच्चे एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

राजस्व शिविरों में नक्शा, खसरा व प्रमाण पत्र संबंधी कार्यों का त्वरित निपटारा, ग्रामीणों को त्वरित राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में जिले में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर राजस्व शिविर लगाकर आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आरंग एवं धरसीवां, अभनपुर तहसील के विभिन्न ग्रामों में राजस्व शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में भैंसा, तुलसी, अमसेना, बाना, गुमा, गुल्लू, परसतराई, गिधौरी, कुकेरा, अकोली, मनोहरा, देवरी, चरौदा, रवेली, नेउरडीह, कुकरा, जरौद, गिधौरी, अकोली, सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। शिविर के दौरान नक्शा बटांकन, बी-1, खसरा संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया। साथ ही आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि लोक सेवा केंद्र के माध्यम से की गई, ताकि निर्धारित समय-सीमा में उनका शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

जिला कांग्रेस कमेटी में हनी ग्रेवाल को महामंत्री की जिम्मेदारी

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी की नई बॉडी में कांग्रेस नेता हनी ग्रेवाल को महामंत्री नियुक्त किया गया है। जिला अध्यक्ष विपिन यादव ने उन्हें यह जिमेदारी सौंपी है। इसके पूर्व भी हनी ग्रेवाल शहर कांग्रेस की पूर्व कार्यकारिणी में महामंत्री की जिमेदारी संभाल चुके हैं। जिनकी सक्रियता को देखते हुए जिला संगठन ने उन्हें अहम जिमेदारी दी है। अपनी नियुक्ति को लेकर हनी ग्रेवाल ने संगठन के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया है। वहीं संगठन की मजबूती के लिए लगातार प्रयासरत रहने और जारी निर्देशों के गंभीरता के साथ अमल करने की बात कही है। बधाई देने पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव पूर्व जनपद तुलादास साहू पूर्व जनपद सदस्य रोशनी वैष्णव सरपंच भानपुरी श्रीमती प्रभा दास वैष्णव सरपंच दिल्लू साहू ढोडिया उपसरपंच रानीतरई ओमप्रकाश साहू सरपंच प्रतिनिधि धामनसरा कृत लाल पटेल बूथ प्रभारी मलपुरी कुंदन चंद्राकर सेटर प्रभारी धर्मेन्द्र साहू युवा नेता मुकेश निरमकर सूर्या वैष्णव पूर्व पार्षद मनीष साहू पूर्व पार्षद महेश साहू सहित कांग्रेसी ने बधाई दी।

संभागायुक्त व कलेक्टर ने ग्राम अरमरीकला में सोख्ता गड्ढा के निर्माण में किया श्रमदान

बालोद। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने के लिए गुरूर विकासखण्ड के ग्राम अरमरीकला पहुँचने पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेटर दिव्या उमेश मिश्रा, अपर कलेटर चंद्रकांत कौशिक एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने दुर्गा माता चैक में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही लखनलाल निषाद एवं डामनलाल गंधर्व के घर में निर्मित किए जा रहे सोता गड्ढा निर्माण के कार्य में श्रमदान कर आम नागरिकों को सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने का संदेश दिया। इस दौरान संभागायुक्त एवं कलेटर ने अधिकारियों के साथ अरमरीकला से डांडेसरा मार्ग की साफ-सफाई कर स्वच्छ भारत मिशन के कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि कलेटर दिव्या उमेश मिश्रा एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के एक साथ बस में सवार होकर ग्राम अरमरीकला पहुँचने पर ग्रामीणों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा आत्मीय अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस दौरान महिलाओं ने जल संरक्षण के उपायों के संबंध में नारे लगाकर तथा स्लोगन प्रदर्शित कर आम नागरिकों को इस महत्वपूर्ण कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश भी दिया। ग्राम अरमरीकला पहुँचने के पश्चात कलेटर दिव्या उमेश मिश्रा, अपर कलेटर चंद्रकांत कौशिक एवं अन्य अधिकारियों ने सर्वप्रथम दुर्गा माता की पूजा-अर्चना कर बालोद जिले की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर स्वच्छताग्राही दीदियों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं ने नीर चेतना अभियान अंतर्गत जल संचय, जल बचाओ अभियान के तहत दुर्गा मंदिर से शिविर स्थल तक रैली निकालकर जल संचय एवं जन भागीदारी एवं स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

अग्रसेन धाम में परिचय सम्मेलन 580 युवक-युवतियों ने कराया पंजीयन

रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)। अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित परिचय सेमेलन एवं 'अग्र मंथन' कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ अग्रसेन धाम में हुआ। कार्यक्रम में देशभर से बड़ी संेया में युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप मिला।

प्रचार-प्रसार प्रभारी योगेश अग्रवाल के अनुसार, सुबह 9 बजे से पंजीयन प्रक्रिया शुरू हुई। कार्यक्रम स्थल पर 80 प्रतिभागियों का ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन हुआ, जबकि कुल 580 युवक-युवतियों ने इस सेमेलन के लिए पंजीयन कराया। देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने मंच पर अपना परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुेय अतिथि राजेश अग्रवाल, अमर अग्रवाल, गौरी शंकर अग्रवाल और जयसिंह अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन और महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। मुेय अतिथि राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में अग्रवाल समाज द्वारा प्रदेशभर में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। वहीं अमर अग्रवाल ने समाज की जिमेदारियों और योगदान को रेखांकित करते हुए इसे एक सशक्त और संगठित समुदाय बताया। सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन महामंत्री मनमोहन अग्रवाल ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद परिचय सेमेलन की शुरुआत हुई, जिसमें प्रतिभागियों को खुला मंच दिया गया। आयोजन को सफल बनाने के लिए स्वागत, पंजीयन, हेल्प डेस्क, आवास और मंच व्यवस्था समितियों ने सुव्यवस्थित संचालन किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा एवं महिला मंडल के सदस्य सहित देश के 17 राज्यों से आए अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

लोकभवन में होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर, राज्यपाल और अधिकारी-कर्मचारियों ने कराई जांच

रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर सोमवार को लोक भवन के छेेीसगढ़ मंडपम में होेयोपैथिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर इसका लाभ उठाया। राज्यपाल डेका शिविर में पहुंचे और उन्होंने रक्तचाप (बी.पी.) एवं वजन की जांच कराई। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से बीमारियों की समय रहते पहचान संभव होती है और बेहतर उपचार किया जा सकता है। शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, आर्थराइटिस, रक्त संबंधी समस्याएं, सनस्ट्ोक, चिकनपॉेस सहित विभिन्न बीमारियों के लिए होेयोपैथिक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गईं। चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। इस स्वास्थ्य शिविर में रायपुर होेयोपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के चिकित्सकों और स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं तथा जीवनशैली से जुड़ी उपयोगी सलाह भी दी। लोकभवन में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उपयोगी पहल बताते हुए सराहना की।

सार-समाचार

छात्रा से दुर्व्यवहार और अश्लील हरकत के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक प्राथमिक स्कूल के शिक्षक पर छात्रा के साथ दुर्व्यवहार और अश्लील हरकत करने के आरोप लगे हैं। मामले की पुष्टि के बाद आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खिसोरा प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक राकेश कुर्रे के खिलाफ पीड़ित छात्रा के परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तत्काल जांच शुरू की। एसडीएम स्तर पर हुई जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बलौदा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने स्कूल जैसे सुरक्षित स्थान पर हुई इस घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले ने एक बार फिर स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विश्व नवकार दिवस पर सीमंधर स्वामी जैन मंदिर द्वारा 21 लाख नवकार महामंत्र का जाप

रायपुर। जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में विश्व नवकार दिवस 9 अप्रैल को प्रातः 8.30 बजे से नवकार महामंत्र का जाप किया जावेगा। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्व में युद्ध की आग भड़की हुई है ऐसे समय में नवकार महामंत्र के नव पदों के उच्चारण की ध्वनि तरंगों से विश्व शांति, अहिंसा, जीव दया के वातावरण का निर्माण होगा। भयावह युद्ध, हिंसा के वातावरण में विश्व नवकार दिवस पर नवकार महामंत्र का जाप अहिंसा व शांति का संदेश देगा। उन्होंने पूरे भैरव सोसायटी, दावड़ा, वालफोर्ड, जैनम, आम्रपाली व आसपास के सभी जैन भाई बहनों से आग्रह किया है कि मंदिर में आकर अथवा अपने घरों में 8 . 30 बजे से नवकार महामंत्र का उच्चारण पूर्वक जाप करें। ध्वजा महोत्सव के अवसर पर मूक पशु पक्षियों की सेवा व मानव सेवा के प्रकल्प हो रहे हैं, ट्रस्टी नीलेश गोलछा व टीकम जैन ने बताया कि प्रवर्तिनी निपुणा श्रीजी की सुशिष्या स्नेहयशा श्रीजी की निश्रा में सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिन कुशल सूरि जैन दादाबाड़ी का नवम ध्वजा महोत्सव 12 अप्रैल को होगा। 9 से 11 अप्रैल महिलाओं व बच्चों का तीन दिवसीय जैन धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित किया गया है ।

बिजली बिल समाधान योजनाः धमतरी के हजारों परिवारों को मिली आर्थिक आजादी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। धमतरी जिले में इस योजना का व्यापक असर देखने को मिल रहा है, जहाँ हजारों उपभोक्ता वर्षों पुराने बिजली बिल के बोझ से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। धमतरी निवासी बी. एस. विशाल के परिवार के लिए बिजली का बकाया बिल एक मानसिक तनाव बन चुका था। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते बिल की राशि बढ़ती गई, जिससे बिजली कटने का डर हमेशा बना रहता था। जब शासन की समाधान योजना की घोषणा हुई, तो उनके पुत्र डेनियल विशाल ने विभागीय शिविर में संपर्क किया। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की प्रक्रिया इतनी सरल थी कि उन्हें जल्द ही योजना का लाभ मिला। डेनियल ने बताया कि बकाया मूल राशि में भारी छूट और सरचार्ज की शत-प्रतिशत माफी ने हमारे परिवार को नई शुरुआत करने का मौका दिया है। अब हम नियमित रूप से बिल चुकाने की स्थिति में हैं।

नाबालिक बालिका से छेडछाड, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)। आरोपी राकेश कुर्रे द्वारा नाबालिक बालिकाओं को गलत नियत रखते हुए अकेलेपन का फायदा उठाकर छेड़छाड़ किया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना बलौदा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के धारा - 74 बी.एन.एस, 10 पासोेएट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में थाना बलौदा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राकेश कुमार कुर्रे निवासी परसाभांठा थाना बलौदा को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरेतार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मनोहर सिन्हा, सउनि रामदुलार साहू, म.प्र.आर. रामकुमारी मार्को, आरक्षक रज्जू रात्रे, टिकेष्वर राठौर, संदीप सोनंत संतोश रात्रे, लखेश विश्वकर्मा, म.आर. रुखमणि निर्मलकर का सराहनीय योगदान रहा।

जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना को मिली ऐतिहासिक सफलता

राजनांदगांव (नई दृष्टिबिंदु)। जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों ने इस योजना को ग्रामीण स्तर तक पहुँचाकर स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। कलेटर जितेन्द्र यादव के निर्देशों एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह के मार्गदर्शन में माह अटूबर 2025 से ही इस योजना ने तीव्र गति पकड़ी। प्रशासन द्वारा सतत मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा और फील्ड स्तर पर किए गए प्रयासों ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया। जिले में अब तक कुल 9078 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4405 लाभार्थियों ने वेंडर चयन कर लिया है, जबकि 2033 घरों में सौर प्रणाली की स्थापना पूर्ण हो चुकी है। इनमें से 1443 लाभार्थियों को सेसिडी का भुगतान भी किया जा चुका है, जिससे उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक राहत मिल रही है। योजना से लाभान्वित होने के लिए प्रतिदिन औसतन 25-30 आवेदन प्राप्त हुए और 20 इंस्टॉलेशन किए गए। पिछले माह में 664 नए आवेदन और 449 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए, जो जिले में बढ़ती जागरूकता और जनभागीदारी का प्रमाण है। कलेटर द्वारा वेंडर्स, बैंक अधिकारियों, विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक की गई। इसके अलावा शहरी निकायों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, चेंबर ऑफ कॉमर्स, बिल्डर्स तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ भी विस्तृत बैठक आयोजित की गई। शिकायतों के त्वरित समाधान और प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु विशेष निर्देश दिए गए। जिले के सभी विकासखंडों में बड़े पैमाने पर सूर्य सभा आयोजित की गई। जिनमें ग्रामीणों को योजना की जानकारी दी गई और वहीं पर तत्काल पंजीयन की सुविधा भी उपलेध कराई गई। इन सभाओं के माध्यम से हजारों नागरिकों ने हिस्सा लिया और बड़ी संेया में आवेदन प्रस्तुत किए। कलेटर ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने एवं सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करने की दृष्टि से योजना में सक्रिय भागीदारी करने वाले लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सेमानित किया। इससे अन्य नागरिकों में भी प्रोत्साहन बढ़ा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें और अपने घरों को स्वच्छ, सस्ते एवं निरंतर ऊर्जा स्रोत से सशक्त बनाएं। आने वाले महीनों में लक्ष्य है कि अधिक से अधिक परिवार इस योजना से लाभान्वित हो और जिला राजनांदगांव हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी जिले के रूप में स्थापित हो।

मोटर सायकल चोरी करने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार

बस्तर। प्रार्थी प्रहलाद मांझी पिता ईश्वर मांझी जाति भतरा निवासी ग्राम काटागुड़ा कोसागुमड़ा जिला नवरंगपुर उड़ीसा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि 03.04.2026 को रात्रि करीबन 08.10 बजे अपने लाल रंग के पैसन प्रो मोटर सायकल से अपने भाई आसमन मांझी व कृष्णा मांझी के साथ मेला घुमने,ग्राम नगरनार आया था जो मोटर सायकल को पंचायत भवन के पास खड़ी कर मेला व नाट देख रहे थे। सुबह करीबन 06.00 बजे वापस जाने मोटर सायकल को खड़े किये स्थान पंचायत भवन के पास आकर देखा तो मोटर सायकल उक्त स्थान पर नही था। एक व्यक्ति के द्वारा बताया गया कि उक्त मोटर सायकल को सरोज नेताम को चलाते हुए देखना व उसके पीछे एक अन्य व्यक्ति बैठा होना बताने कि रिपोर्ट पर आरोपी सरोज नेताम व अन्य के खिलाफ अपराध सदर कायम कर माल मुल्जिम पतासाजी में लिया गया। प्रकरण के फरार आरोपी सरोज नेताम व एक अन्य की पतासाजी हेतु पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के दिशा निर्देश एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित कर आरोपीयो को ग्राम चोकावाड़ा से पकड़कर हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया जो आरोपीयों के द्वारा पुछताछ में उक्त मोटर सायकल के लॉक को मास्टर चाबी से खोलकर चोरी करना कबुल करने पर आरोपीयों के कजे से चोरी गई मोटरसाइकिल कीमती 30000 रूपया एवं मास्टर चाबी को बरामद कर जप्त कर आरोपीगण 01. सरोज नेताम पिता रामदास नेताम 02. महेन्द्र गोयल पिता फग्नु गोयल दोनो निवासी ग्राम चोकावाड़ा को दिनांक 04. 04.2026 को गिरेतार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय जगदलपुर पेश किया गया है।

बीजापुर में 12वीं बोर्ड परीक्षा संचालन पर अहम बैठक, सख्त निर्देश जारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के प्रभावी एवं सुचारू संचालन को लेकर सभी केंद्र अधीक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया की उपस्थिति में तथा दोनों मास्टर ट्रेनर्स के साथ स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बीजापुर में संपन्न हुई। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, बीजापुर द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्र अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे परीक्षा से संबंधित सभी नियमों और निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इस दौरान विशेष रूप से वन टाइम लॉक के सही एवं प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही परीक्षा के निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए आवश्यक सावधानियों की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने सभी केंद्र अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें, जिससे परीक्षा का आयोजन अनुशासन, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

शोभायात्रा दौरान युवक पर आत्मघाती हमला 03 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर शहर में हनुमान जयंती पर्व में जगह जगह पर शोभा यात्रा रैली निकाली गई थी प्रार्थी सन्नी श्रीवास अपने साथी सूरज साहू दोनो निवासी चांटीडीह सरकंडा पेंडलवार अस्पताल तोरवा के आगे शोभा यात्रा रैली देख रहे थे कि उसी बीच दयालबंद कोतवाली निवासी प्रियांशु बोले एवं 02 अन्य साथी के साथ आये साईड हटने की बात पर आरोपीयो के द्वारा प्रार्थी सन्नी श्रीवास एवं सूरज साहू को अकड के बात करता हैं कहते हुये गाली गलौच मारपीट करते प्रियांशु बोले अपने पास रखे धारदार चाकू से सूरज साहू के पेट वार कर दिया सन्नी श्रीवास उसे सिम्स अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया हैं। घटना पर थाना तोरवा में उक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीयो की धरपकड कार्यवाही शुरू किया गया। आरोपी घटना के बाद से पुलिस गिरफ्तारी से बचने लुक छिप रहे थे तोरवा पुलिस के द्वारा सायबर सेल से आरोपीयो का लगातार लोकेशन प्राप्त कर दिनांक 05.04.2026 के कोतवाली क्षेत्र से आरोपीयो को दबिश देकर पकडा गया। आरोपी प्रियांशु बोले के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू को जप्त किया गया हैं। आरोपीयो 01 प्रियांशु बोले पिता अरूण बोले उम्र 25 साल साकिन गुरूद्वारा के पास दयालबंद कोतवाली 02 ओम बोले पिता अरूण बोले उम्र 23 साल साकिन गुरूद्वारा के पास दयालबंद कोतवाली 03 के राघवेन्द्र राव उर्फ सुरेश पिता के श्रीनिवास राव उम्र 26 साल पता रिवर साईड होटल तोरवा को माननीय न्यायालय में पेश किया गया हैं।

स्कूल बसों की चेकिंग एवं चालक परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया

बलरामपुर। जिला बलरामपुर-रामानुजगंज अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देशन में बलरामपुर के हॉई स्कूल मैदान में "स्कूल बसों की विशेष चेकिंग" एवं चालक परिचालकों का "स्वास्थ्य परीक्षण" शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात पुलिस, परिवहन, एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामन्जस्य स्थापित कर जिले से सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों से स्कूली वाहनों को बुलाया गया था। उक्त शिविर में कुल 32 बसें जांच हेतु उपस्थित हुए। जिनमें वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र (आर.सी.बुक), वाहन का परमिट, वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र, वाहन का बीमा प्रमाण पत्र, वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र, चालक का अनुज्ञा पत्र, स्पीड गवर्नर आदि की जांच कि गई जिसमें जांच उपरांत कमीयां पायी जाने पर पुलिस एवं परिवहन विभाग आवष्यक चालानी कार्यवाही करते हुये द्वारा कुल 15 प्रकरण में 10100 रू/ का समन शुल्क वसूल किया गया है। साथ ही कुल 17 वाहन परिचालकों का लायसेंस बनवाने मौके पर ही आवश्यक दस्तवेज प्राप्त कर फॉर्म भरवाया गया है। फर्स्ट ऐड किट का प्रशिक्षण भी दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्कूल वाहनों के चालक एवं परिचालकों के नेत्र एवं स्वास्थ्य का परिक्षण किया गया। एवं उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह वाले चालकों को लगातार मेडिसीन का उपयोग करने एवं कमजोर दृष्टी वाले वाहन चालकों को चश्मा लगाने की सलाह दिया गया। जिसमें जिला परिवहन अधिकारी यशवंत कुमार यादव एवं यातायात प्रभारी विमलेश कुमार देवांगन द्वारा समस्त स्कूली बसों एवं चालक परिचालकों को पूछताछ कर स्कूली वाहनों में रखे जाने वाले आवश्यक एवं सुरक्षात्मक उपकरण का जायजा लिया जैसे अग्निशमन, फर्स्ट ऐड किट मेडिसिन इत्यादि साथी वाहनों की परमिट बीमा एवं फिटनेस चेक किया गया चालकों को निर्धारित गणेश वर्दी पहने एवं वाहनों निर्धारित गति में चलने समझाइस दिया गया साथ ही उन्हे यातायत नियामों का पालन करने सीट बेल्ट पहनने शराब सेवन कर वाहन न चलाने एवं वाहन संबंधीत दस्तावेजों को पास रखने समझाईश दी गई।

पाँच राज्यों के विधान सभा के चुनावी समरक्षेत्र में जनादेश की आहट

बिनोद कुमार सिंह

इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

पाँच राज्यों में सता के सिंघासन पर कौन,राजनीतिक संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी,जनता जनार्दन है मौन...

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है,जहाँ प्रत्येक चुनाव जनभावनाओं का उत्सव बनकर सामने आता है।वर्ष 2026 में पाँच राज्यों-असम,तमिलनाडु,केरल, पश्चिम बंगाल और मणिपुर-के चुनाव इसी लोकतांत्रिक परंपरा के निर्णायक अध्याय बनकर उभरे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर नहीं,बल्कि पिछले पाँच वर्षों के कार्यों,वादों और जनता के विश्वास की अग्नि परीक्षा की घड़ी आ गई है।इन राज्यों की जनता ने बीते वर्षों में विकास,महंगाई, रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को नजदीक से महसूस किया है।अब जब चुनावी शंखनाद हो चुका है,राज्यों के मतदाता अपने मन में एक ठोस निर्णय बना चुका है।वह यह तय करने की स्थिति में है कि कौन उसके सपनों का संवाहक है और कौन केवल राजनीतिक वादों का व्यापारी है।भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि मतदाता अब पहले से कहीं अधिक सजग, जागरूक और निर्णायक हो गया है।वह जातीय और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सुशासन और विकास को प्राथमिकता देने लगा है।यही कारण है कि इस बार 5 राज्यों के विधान सभा चुनावों में पारंपरिक समीकरणों के साथ-साथ प्रदर्शन आधारित राजनीति भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दे रही है। चुनावी मैदान आज एक ऐसे समरक्षेत्र में बदल चुका है,जहाँ सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों के रथ पर सवार है, वहीं विपक्ष असंतोष और सवालों के शस्त्र लेकर चुनावी मैदान में उतरा है।

अगर हम राजनीतिक परिदृश्य पर एक दृष्टि डालें तो हर राज्य की परिस्थितियाँ भिन्न होते हुए भी एक समानता स्पष्ट दिखाई देती है - सत्ता और विपक्ष के बीच सीधा और तीखा संघर्ष का दौर जारी है।सत्तारूढ़ दल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी ढांचे के विकास,कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को जनता के सामने रख रहा है। 'डबल इंजन' जैसे राजनीतिक नारे और योजनाओं का लाभ उठाने वाला वर्ग उसके समर्थन का मजबूत आधार बन चुका है।वही दूसरी ओर विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है और जनता को परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है।

यदि इन पाँच राज्यों के चुनावी परिदृश्य को गहराई से देखा जाए, तो एक बहुआयामी तस्वीर सामने आती है।असम में सत्ता पक्ष अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हल्की बढ़त बनाए हुए है। यहाँ उसे लगभग 44 से 48 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है,जबकि विपक्ष 40 से 43 प्रतिशत के बीच सिमट सकता है।सीटों के रूपांतरण में यह अंतर सत्ता पक्ष को बढ़त दिला सकता है,जहाँ 126 सदस्यीय विधानसभा में उसके 68 से 78 सीटों तक पहुँचने के संकेत मिलते हैं।इसके बावजूद मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है और विपक्ष की चुनौती मजबूत बनी हुई है।वही तमिलनाडु में राजनीति अपने पारंपरिक द्रविड़ स्वरूप में ही दिखाई देती है,जहाँ डीएमके गठबंधन लगभग 42 से 46 प्रतिशत वोट हासिल कर स्पष्ट बढ़त की स्थिति में नजर आता है। एआईएडीएमके गठबंधन 34 से 38 प्रतिशत के बीच सीमित रह सकता है,जबकि अन्य दलों का प्रभाव सीमित दायरे में रहेगा।234 सदस्यीय विधानसभा में डीएमके गठबंधन 140 से 160 सीटों के साथ सशक्त स्थिति में उभर सकता है,जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि वहाँ सत्ता की निरंतरता संभव है। केरल की राजनीति हमेशा से विचारधारात्मक संघर्ष और वैकल्पिक सत्ता परिवर्तन के लिए जानी जाती रही है,लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न दिखाई देती है। एलडीएफ 43 से 46 प्रतिशत वोट के साथ बढ़त बनाए हुए है,जबकि यूडीएफ 41 से 44 प्रतिशत के बीच मुकाबले में बना हुआ है।140 सीटों वाली विधानसभा में एलडीएफ को 70 से 80 सीटों तक पहुँचने का अनुमान है,जो यह संकेत देता है कि परंपरागत ट्रेंड के विपरीत सत्ता की पुनरावृत्ति संभव हो सकती है।पश्चिम बंगाल का चुनावी परिदृश्य सबसे अधिक तीव्र और ध्रुवीकृत दिखाई देता है।यहाँ टीएमसी 44 से 47 प्रतिशत वोट के साथ आगे है,जबकि भाजपा 38 से 42 प्रतिशत के बीच मजबूत चुनौती दे रही है।294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी को 160 से 190 सीटें मिलने की संभावना है,जबकि भाजपा 90 से 120 सीटों के बीच रह सकती है।यह परिणाम दशार्ता है कि सत्ता पक्ष को बढ़त तो है,लेकिन विपक्ष भी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कर रहा है। जहाँ तक केंद्र शासित जहाँ तक मणिपुर की बात है तो मणिपुर में राजनीतिक समीकरण अधिक जटिल और स्थानीय प्रभावों पर आधारित हैं।यहाँ भाजपा 36 से 40 प्रतिशत वोट के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकती है, जबकि कांग्रेस 30 से 34 प्रतिशत के बीच रह सकती है।क्षेत्रीय दलों का 20 से 25 प्रतिशत वोट इस चुनाव को त्रिशंकु स्थिति की ओर ले जा सकता है।60 सदस्यीय विधान सभा में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन प्रतीत होता है और गठबंधन की राजनीति यहाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती है।इन सभी 5 राज्यों के समेकित विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय चुनावी समीकरण में वोट प्रतिशत और सीटों का अनुपात हमेशा सीधा नहीं होता।कई बार केवल 2 से 3 प्रतिशत वोट का अंतर दर्जनों सीटों का अंतर बना देता है,जो सत्ता की दिशा बदलने में निर्णायक साबित होता है।ऐसे में क्षेत्रीय दल अभी भी कई राज्यों में राजनीति के केंद्र में हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।गठबंधन राजनीति का प्रभाव असम और मणिपुर जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है,जबकि तमिलनाडु,केरल और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय नेतृत्व की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं।कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं।इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।यदि सत्तारूढ़ दल इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और मजबूत होगी।वहीं विपक्ष के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीति को धार देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करे।

संक्षेप में, इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

चुनावी समरक्षेत्र में शंखनाद हो चुका है,रथ सज चुके हैं और राजनीतिक योद्धा मैदान में उतर चुके हैं।अब सबकी निगाहें उस अंतिम निर्णय पर टिकी हैं,जो जनता जर्नादन के हाथों में है।वही निर्णय आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करेगा और इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा कि किसने जनादेश को समझा और किसे आत्ममंथन की राह चुननी पड़ी।

संपादकीय

जंग जारी रहेगी

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका को संबोधित करते हुए यह निष्कर्ष दिया है कि अभी ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। आगामी 2-3 हफ्ते में ईरान पर भीषण हमला किया जाएगा। हम जल्द ही अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो जीत हम हासिल कर रहे हैं, दुनिया ने ऐसी जीत कभी नहीं देखी होगी! राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर पुराना मुहावरा दोहराया कि हमने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल-ड्रोन क्षमताएं नष्ट कर दी हैं। यहां तक कि उसके परमाणु ठिकाने भी तबाह कर दिए हैं। अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। ईरान के सभी बड़े नेता मार दिए गए हैं। यदि ईरान परमाणु बम बना लेता, तो वह अमरीका-इजरायल के लिए मौत साबित होता! दरअसल जो गलतियां पुराने राष्ट्रपतियों ने की थीं, मैं उन्हें ठीक कर रहा हूं। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक लड़े गए थे। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमरीका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमरीका ‘नंबर वन’ है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और उसने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमरीकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमरीका का युद्ध पर हररोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपए का है। अमरीका में पेट्रोल के दाम 4.06 डॉलर प्रति गैलन के स्तर को छू चुके हैं। इस पर ही हाहाकार मचा है, क्योंकि यह बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। ईरान में महंगाई दर 50.6 फीसदी है। यह अकल्पनीय है। अनाज की कीमतें 140 फीसदी और डेयरी उत्पादों की कीमतें 117 फीसदी बढ़ गई हैं। एक किलो चावल के दाम 20 लाख रियाल और दाल की कीमत 35 लाख रियाल है। रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वस्तुओं की उपलब्धता ही सवालिया है। क्या राष्ट्रपति ट्रंप का कोई वैश्विक सरोकार नहीं है? इजरायल की अर्थव्यवस्था का तो कचूमर निकल चुका है। वह तो 1.20 करोड़ की आबादी का छोटा-सा देश है। इजरायल को हर हफ्ते 1.6 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ अब जनता सडकों पर उतर आई है। यदि भारत का उल्लेख करें, तो करीब 55 लाख भारतीयों को खाड़ी देश छोड़ कर भारत लौटना पड़ा है। दुबई की अति सुरक्षित वाली छवि भी खंडित हुई है। खाड़ी देशों से आधे से अधिक भारतीय लौट आए हैं। इससे नया आर्थिक संकट सामने होगा। कुवैत से 20 भारतीयों के शव केरलम के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाए गए हैं। वे युद्ध और हादसों के शिकार हुए हैं।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

संजय गोस्वामी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो कोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु कोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

भाजपा के 47 सालः शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है।

स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

व्यक्ति कभी धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता...भाजपा के स्थापना दिवस पर बोले नितिन गडकरी

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार, राजा, सेयुलर हो सकती है लेकिन एक व्यक्ति कभी सेयुलर नहीं हो सकता। इस दौरान उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का भी जिक्र किया। गडकरी ने आगे ये भी कहा कि सभी धर्म का और सभी के विचारों का सेमान होना चाहिए। आइए जानते हैं कि गडकरी ने इस मौके पर और या कुछ कहा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एक बार अटल विहारी वाजपेयी से पूछा गया कि या BJP का राज आयेगा तो सेयुलरवाद समाप्त हो जायेगा, या इस देश के मुसलमानों को आप बाहर निकाल देंगे? तब अटल जी ने कहा था कि यह देश सेयुलर है,

सेयुलर रहेगा। इसका कारण बीजेपी और आरएसएस नहीं है। इस देश का बहुत साक्ष्य हिंदू समाज है। उसका इतिहास संस्कृति, विरासत, उसकी सर्व समावेशिता है, वही भारतीय संस्कृति है। इसके कारण किसी भी धर्म के ऊपर अन्याय नहीं होता। इसका इंटरप्रिटेशन कुछ समय गलत किया जाता है। हमारे में से कुछ लोग अलग-अलग बातें कह देते हैं। हिंदू जाति नहीं, पंथ नहीं, धर्म नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने डेफिनेशन दिया है कि यह जीवन पद्धति है। इसलिए वह विशाल है और सबको समाने वाला है। सेयुलर शेद का लोकतंत्र में उल्लेख किया जाता है। सेयुलर शेद का अर्थ है, जो हम लोग समझते हैं, कहते हैं, वह है धर्मनिरपेक्षता। सब नेता यही बोलते हैं। आप घर में जाकर इंग्लिश डिशनरी निकालिए, उसमें सेयुलर शेद का अर्थ धर्मनिरपेक्षता नहीं है। अर्थ सर्वधर्म सद्भाव है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आगे कहा कि सभी धर्मों का, सभी विचारों का सेमान करना चाहिए। इसलिए सेयुलर जो होता है उसका अर्थ होता है सर्वधर्म सेभाव। एक बात जरूर है कि सरकार सेयुलर होनी चाहिए, राजा सेयुलर होना चाहिए, लेकिन व्यक्ती कभी धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। यदि होता तो राजीव गांधी और इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद ब्राह्मणों को बुलाकर मंत्राग नहीं किया गया होता। सवाल यह है कि जब वो सेयुलर थे, तो किस लिए ब्राह्मणों को बुलाया गया, यों विधि की गई? योंकि उनके साथ उनका धर्म जुड़ा हुआ था, वह स्वीकार करते थे। इसलिए आज हम हमको सर्वधर्म सेभाव यानी सब धर्म का सेमान करना है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारा मुसलमान यदि मक्का मदीना जाता है तो तो उसे हिंदी मुसलमान कहते हैं, उसको हिंदी बोलते हैं। बीच मे अंग्रेजों के कार्यकाल में हमारे दिमाग में गलत बातें बैठा दी गई हैं। हमारे प्रति जो अप्रचार हुआ है, कि मुसलमान के विरोध में हैं, अल्पसेंयक समाज के विरोध में हैं, हम जातिवादी हैं, इस प्रकार के जो आरोप होते हैं वह गलत है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी में एक बात होती है, हमारे यहां जो भी अच्छा कार्य होता है, हम यह नहीं कहते कि हमारे परिवार का कल्याण हो, हमारी जात का कल्याण हो। हम कहते हैं कि विश्व का कल्याण हो, विश्व में सब लोग हैं, यही हमारी भारतीय संस्कृति है।

फर्जी कस्टम ऑफिसर बन अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी से लूटा 32 करोड़ का सोना

पटना (ए.)। बिहार की राजधानी पटना के दानापुर स्थित खगौल इलाके में अपराधियों ने लूट का एक नया तरीका अपनाते हुए दिनदहाड़े बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक, 4 अप्रैल को दानापुर रेलवे स्टेशन के पास खगौल ओवरब्रिज के समीप बदमाशों ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर एक स्वर्ण व्यवसायी से 17 किलो सोना लूट लिया, जिसकी कीमत लगभग 32 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पीड़ित महेश, जो राजकोट से अहमदाबाद-सहरसा एसप्रेस के जरिए सोना लेकर दानापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा था। स्टेशन से ऑटो द्वारा पटना के बाकरगंज जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक बलेनो कार और दो बाइक पर सवार 7-8 अपराधियों ने उसका ऑटो रुकवाया। सभी अपराधी कस्टम अधिकारी के वेश में थे- ऊपर सफेद शर्ट और नीचे खाकी पैंट पहने हुए। अपराधियों ने जांच के नाम पर महेश से उसका बैग मांगा और देखते ही देखते सोना से भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही खगौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही, पुलिस ने एक पुलिस स्टिकर लगी बलेनो कार और दो बाइक को जेत किया है, जिनका इस्तेमाल अपराधियों ने वारदात में किया था। खगौल थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि अभी तक पीड़ित की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन देने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि कितने की लूट है। थानाध्यक्ष ने बताया कि स्वर्ण व्यवसाई राजकोट से आ रहे थे और दानापुर स्टेशन उतर ऑटो से पटना के बाकरगंज जा रहे थे, तभी खगोल`लाईओवर के पास बाइक और फोर व्हीलर से पहुंचे अपराधियों ने खुद को कस्टम ऑफिसर बातया और अपने साथ लेकर चले गए। इसके बाद सोने से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

आधा लीटर पानी के साथ घने जंगल में लापता हुई महिला, 4 दिन बाद सुरक्षित मिली

नई दिल्ली (ए.)। कर्नाटक के मदिकेरी में एक महिला घने जंगल में 4 दिन तक जिंदा रही। जब रेस्यू करने वाली टीम उसके पास पहुंची तो वह पूरी तरह सुरक्षित थी। इस दौरान उसे कोई भी गंभीर चोट नहीं लगी थी। जब महिला अपने साथियों से बिछड़ी थी, तब उसके पास सिर्फ आधा लीटर पानी था। इसके बावजूद वह कैसे चार दिन तक घने जंगल में सुरक्षित रही। इसकी कहानी उसने खुद बयां की है। 36 वर्षीय ट्रेकर जीएस शरण्या केरल से कर्नाटक के कोडगु जिले में ताडियंडामोल चोटी पर ट्रेकिंग के लिए आई थीं और 2 अप्रैल को लापता हो गई थीं। वह 15 अन्य ट्रैकर्स और एक नेचर गाइड के साथ ट्रेकिंग पर गई थीं। हालांकि, जब दोपहर में सभी ट्रैकर्स अपने मूल बेस पर लौटे, तो पता चला कि शरण्या रास्ता भटक गई और लापता हो गई। जैसे ही यह मामला सामने आया, तभी से 5 टीमों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। रविवार (5 अप्रैल) को शरण्या जंगल में सुरक्षित मिल गई। जीएस शरण्या ने बताया कि नीचे उतरते समय वह रास्ता भटक गई और अपने समूह से बिछड़ गई। उनके फोन की बैटरी खत्म हो रही थी और नेटवर्क भी नहीं था, जिससे वह पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गई। उन्होंने कहा, पहले दिन मैं शाम तक चलती रही, लेकिन उसके बाद घने जंगल के कारण आगे नहीं जा सकी। मैं एक नाले के पास रुक गई। अगले दिनों में वह इस उेमीद में रुक-रुक कर चलती

रही कि उसे कोई पगडंडी या इंसान मिल जाए। इस इलाके में हाथी समेत कई तरह के जंगली जानवर आते रहते हैं, लेकिन शरण्या ने कहा कि उन्हें कभी डर नहीं लगा। शरण्या ने कहा, मैं रास्ता भटक गई और जब मैंने पहाड़ी की चोटी पर लोगों को देखा, तो मैंने ऊपर की ओर जाने वाले रास्ते से उन तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही वे मेरी नजरों से ओझल हो गए। फिर मैं नीचे की ओर जाने लगी, लेकिन नेटवर्क कनेशन टूट गया और मैं एक घने जंगल में पहुंच गई। मैं शाम लगभग 6.45 बजे तक चलती रही और मेरा फोन भी बंद हो गया। मैं एक पथरीले नदी-क्षेत्र में पहुंची और रात वहीं बिताई, योंकि पैर में दर्द था, इसलिए ज्यादा चलने से परहेज किया। दूसरे दिन उस इलाके में रुकी जहां से सर्च टीमें आसानी से देख सकें। अगर कोई ड्रोन से सर्च करे तो उसे देख ले। शरण्या ने बताया कि उन्होंने तीसरे दिन एक ऊंचे स्थान पर चढ़ने की सोची, लेकिन बारिश ने उनकी प्लान खराब कर दिया। उन्होंने कहा कि कपड़े सूखने के लिए उन्होंने रविवार दोपहर तक इंतजार किया। शरण्या ने बताया कि वह बीच-बीच में चीखती रही, इस उेमीद में कि कोई उसकी आवाज सुन लेगा। सर्च टीम में शामिल स्थानीय निवासियों ने ही अंततः उनकी आवाज सुनी और उनका पता लगाया। शरण्या के लापता होने के बाद एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें वन अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, नसल रोधी दस्ते के सदस्यों और इलाके से परिचित स्थानीय आदिवासी समुदायों की नौ टीमें शामिल थीं। पहले दिन अंधेरे के कारण अभियान की गति धीमी रही, लेकिन मुयमंत्री सिद्धारमैया के निर्देश पर थर्मल ड्रोन कैमरों सहित तकनीक की मदद से इसे तेज कर दिया गया। 72 घंटे से अधिक की खोज के बाद, शरण्या को अंततः रविवार दोपहर को एक आदिवासी समुदाय के सदस्यों ने जंगल के एक सुनसान इलाके से ढूंढ़ निकाला। अधिकारियों ने बताया कि यह स्थान एक ऐसा इलाका था, जहां आमतौर पर कोई नहीं जाता। अधिकारियों ने बताया कि वह स्वस्थ हैं और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

'आईआईटी बाबा' यानी अभय सिंह शादी के बाद पत्नी के साथ दिखे

कांगड़ा (ए.)। महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुए आईआईटी बाबा यानी अभय सिंह शादी के बंधन में बंध चुके हैं। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब आज वो अपनी पत्नी के साथ हरियाणा के झज्जर में अपने पिता (जो कि एक वकील हैं) के चैंबर में पहुंचे। आईआईटी बाबा की अपनी पत्नी के साथ तस्वीर भी सामने आई है। आईआईटी बाबा यानी अभय सिंह ने 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन दिन पर हिमाचल के अघंजर महादेव मंदिर में शादी की थी। इसके बाद 19 फरवरी को दोनों ने कोर्ट मैरिज भी की। शादी का खुलासा तब हुआ जब अभय सिंह अपनी पत्नी के साथ झज्जर में अपने पिता (जो कि एक वकील हैं) के चैंबर में पहुंचे। आईआईटी बाबा की पत्नी ने बताया कि दोनों की मुलाकात एक साल पहले हुई थी और उन्हें अभय का नेचर बहुत पसंद आया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, आईआईटी बाबा की पत्नी का नाम प्रतीका है। वह कर्नाटक

की रहने वाली हैं और पेशे से इंजीनियर हैं। उनका सपना है कि वह बाबा के साथ मिलकर एक सनातन यूनिवर्सिटी की शुरुआत करना चाहती हैं। आईआईटी बाबा यानी अभय सिंह ने बातचीत में बताया कि वह और उनकी पत्नी अपनी नई जिंदगी से बेहद खुश हैं और फिलहाल सादगीपूर्ण जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी प्रतीका, मूल रूप से कर्नाटक की रहने वाली हैं और वह भी इंजीनियर हैं। शादी के बाद दोनों फिलहाल धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में रह रहे हैं। सोमवार को वे झज्जर में अपने परिवार और माता-पिता से मिलने पहुंचे थे। अभय सिंह भगवा वस्त्रों में अपने पिता के चैंबर में पहुंचे, जहां उन्होंने पुरानी यादों को साझा किया। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिकता की ओर रुझान होने से पहले वह असर अपने पिता के चैंबर में बैठकर कानूनी एप्लीकेशन और केस स्टडी देखा करते थे।

उन्होंने कहा कि जिंदगी के अर्थ की तलाश ने उन्हें विज्ञान और तकनीक की दुनिया से आध्यात्म की ओर मोड़ दिया। उनकी पत्नी प्रतीका ने कहा कि अभय बेहद सरल, ईमानदार और सच्चे इंसान हैं। उन्होंने बताया कि दोनों की मुलाकात करीब एक साल पहले हुई थी। प्रतीका ने कहा कि अब दोनों मिलकर सनातन और अध्यात्म को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने भविष्य में एक सनातन यूनिवर्सिटी बनाने की भी योजना साझा की, जहां गुरु, साधक और अध्यात्म से जुड़े लोग एक मंच पर आ सकें। अभय सिंह मूल रूप से झज्जर के सासरौली गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता कर्ण सिंह पेशे से वकील हैं और झज्जर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान रह चुके हैं। अभय ने आईआईटी बॉबे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में कनाडा में एक एयरोस्पेस कंपनी में नौकरी भी की। बताया जाता है कि वह वहां करीब 3 लाख रुपये मासिक वेतन पर कार्यरत थे, लेकिन बाद में उन्होंने सब कुछ छोड़कर आध्यात्मिक मार्ग चुन लिया।

अमेरिका-इजरायल के लिए होर्मुज कभी भी अपनी पुरानी स्थिति में नहीं आएगा वापस: ईरान

नई दिल्ली (ए.)। मिडिल ईस्ट बारूद की आग में झुलस रहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच पिछले 38 दिन से जंग छिड़ी हुई है। ईरानी नौसेना ने अमेरिका और इजरायल को साफचेतावनी देते हुए कहा कि जंग के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपरिवर्तनीय परिवर्तन हुए हैं। यह अपनी पूर्व स्थिति में अब कभी वापस नहीं आएगा। ईरानी नौसेना ने कसम खाते हुए कहा कि दुश्मन देशों यानी अमेरिका और इजरायल के लिए होर्मुज अब कभी भी पुरानी स्थिति में नहीं रहेगा। यह जानकारी ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी ने रविवार को दी। प्रेस टीवी के अनुसार, ईरानी नौसेना की कमान ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर जोर दिया है। अमेरिका के नेतृत्व वाली बाहरी शक्तियां अब ईरान के तत्काल समुद्री वातावरण में शर्तें तय नहीं कर सकती हैं या अनियंत्रित प्रभाव नहीं डाल सकती हैं। प्रेस टीवी के अनुसार, आईआरजीसी नौसेना ने एस पर एक पोस्ट में ये टिप्पणियां कीं हैं। साथ ही भी बताया कि फारस की खाड़ी में एक नई व्यवस्था के लिए ईरानी अधिकारियों की घोषित योजना की तैयारियां चल रही हैं। आईआरजीसी की नौसेना कमान का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान को लेकर आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि ईरान स्ट्रेट ऑफहोर्मुज को बंद रखना जारी रखता है तो उस पर कहर बरपाया जाएगा। प्रेस टीवी के अनुसार, युद्ध के बीच इस समुद्री मार्ग पर ईरान की पकड़ बनी हुई है। इसलिए ईरान के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगियों से जुड़े जहाजों को छोड़कर बाकी सभी देशों के लिए खुला हुआ है।

चार आंखें और बड़ा मुंह, उल्लू जैसी दिखने वाली मछली को ग्रामीण मान रहे चमत्कार

पटना (ए.)। बिहार के बांका जिले में सोमवार को रजौन कटरिया नदी से एक दुर्लभ और अजीबोगरीब मछली मिलने से इलाके में कौतूहल का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों द्वारा नदी में मछली पकड़ने के दौरान यह अनोखी मछली जाल में फंस गई। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें चार आंखें दिखाई देती हैं। इसका मुंह असामान्य रूप से बड़ा है। साथ ही इसकी बनावट कुछ लोगों को उल्लू जैसी भी प्रतीत हो रही है। मछली मिलने की खबर पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई, जिसके बाद इसे देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी सेंया में लोग पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि इस तरह की मछली सामान्य तौर पर स्थानीय नदियों या तालाबों में नहीं पाई जाती है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी प्रजाति की मछलियां दक्षिणी अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में पाई जाती हैं, इसलिए इसके यहां मिलने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। फिलहाल इस मछली को धौनी होटल के पास रखा गया है। जहां लोग इसे देखने के लिए लगातार पहुंच रहे हैं। कुछ लोग इसे प्रकृति का अद्भुत जीव मान रहे हैं, जबकि कुछ ग्रामीण इसे किसी चमत्कार से जोड़कर भी देख रहे हैं। वहीं यह सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर यह दुर्लभ मछली कटरिया नदी तक कैसे पहुंची।

सुनेत्रा पवार ने बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

पुणे (ए.)। महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस की नेता सुनेत्रा पवार ने 23 अप्रैल को होने वाले बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने अपने पार्टी सहयोगियों सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और हसन मुशरिफ के साथ-साथ शिवसेना प्रमुख व डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और राज्य के मंत्री व भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किए। एनसीपी, भाजपा और शिवसेना सेाारूढ़ गठबंधन महायुति का हिस्सा हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले सुनेत्रा पवार ने बारामती की जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे उन्हें उसी तरह समर्थन दें, जैसे उन्होंने हमेशा उनके दिवंगत पति अजित पवार को दिया। उल्लेखनीय है कि 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में तत्कालीन उपमुयमंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार के निधन के बाद बारामती में यह उपचुनाव कराया जा रहा है। सुनेत्रा पवार ने कहा कि वह विकास की उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अजित पवार के निधन को न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे राज्य के लिए बड़ा नुकसान बताया और कहा, हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि ऐसा उपचुनाव होगा। बारामती का हर हिस्सा अजित दादा की छाप लिए हुए है। अपने दुख के बावजूद मैंने जनता के बीच आने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, आपने हमेशा अपने अजित दादा को रिकॉर्ड मतों से जिताया है। यह पहला चुनाव है जिसमें वह हमारे बीच नहीं हैं। मुझे विश्वास है कि आप मुझे भी वही प्यार और समर्थन देंगे। सुनेत्रा पवार ने भरोसा दिलाया कि बारामती का विकास बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा और प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखा जाएगा। उन्होंने कहा, बारामती के भविष्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। किसानों को खेतों के लिए पानी मिलता रहेगा और हम शहर को खासकर महिलाओं के लिए सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस ने इस उपचुनाव के लिए अपने प्रदेश सचिव आकाश मोरे को सुनेत्रा पवार के खिलाफ उेमीदवार बनाया है। मतगणना चार मई को होगी।

अमरूद तोड़ने पर बच्ची को रेलिंग से बांध दिया, वीडियो वायरल, आरोपी पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (ए.)। हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक बच्ची को अमरूद चुराने के आरोप में सीढ़ियों की रेलिंग से बांध दिया गया। इसका वीडियो एक व्यक्ति ने बना लिया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बच्ची बचाने के लिए गुहार लगा रही है, लेकिन आरोपी उसके हाथ खोलने के लिए तैयार नहीं है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी के खिलाफएफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है। आरोपी एक रिटायर्ड फौजी है। उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2) और 127 (2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। ऊना के एसपी सचिन हीरामठ ने कहा कि यह कृत्य अमानवीय और गैरकानूनी है। हिमाचल प्रदेश महिला आयोग ने भी इस घटना पर संज्ञान लिया है। आयोग की चेयरमैन विद्या नेगी ने कहा कि ऊना के स्थानीय अस्पताल में बच्ची का मेडिकल भी कराया गया

है। घटना ऊना जिले बहडाला गांव की है। यहां एक प्रवासी मजदूर परिवार की बच्ची ने आरोपी के बगीचे से कुछ अमरूद तोड़े। गुस्साए रिटायर्ड फौजी ने 4-6 साल की मासूम बच्ची को घर की सीढ़ियों की रेलिंग से रस्सी/जंजीर से बांध दिया और कथित तौर पर उसे पीटा। वीडियो में बच्ची रोते हुए बार-बार ÷अंकल बचा लो... अंकल बचा लो÷ चीख रही है, जबकि आरोपी उसे चोरी का इल्जाम लगा रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और पूरे देश में आक्रोश फैला। एक स्थानीय व्यक्ति जिनकी पहचान मर्चेंट नेवी के कैप्टन रोहित जसवाल के रूप में हुई है। उन्होंने बच्ची की चीखें सुनकर हस्तक्षेप किया, उसे छुड़ाया और वीडियो बनाकर चाइल्ड हेल्पलाइन व पुलिस को सूचित किया। इसके बाद बच्ची का मेडिकल चेकअप कराया गया और उसके बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने वीडियो के आधार पर तुरंत संज्ञान लिया। आरोपी के खिलाफ बच्चों के खिलाफ रूरता, गलत तरीके से कैद करने और अन्य प्रासंगिक धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी से पूछताछ हुई है और जांच चल रही है। वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी ने माफी भी मांगी है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस के आरोपों पर हिमंत बिस्वा सरमा का पलटवार, पत्नी ने एफआईआर कराई

नई दिल्ली (ए.)। असम में 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले यहां आरोप और प्रत्यारोप का दौर जारी है। मंगलवार को चुनाव प्रचार रुक जाएगा। ऐसे में कांग्रेस ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके पासपोर्ट विवाद पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी ने असम के मुयमंत्री और उनकी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि मुयमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास तीन-तीन देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर अमेरिका में कंपनी खोलकर पर पैसे लगाने का भी आरोप लगाया। वहीं, मुयमंत्री हिमंता सरमा ने कांग्रेस के आरोप को झूठा और फेक बताया है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से पेश किए गए दस्तावेज को फोटोशॉप बताया। इसके साथ ही पूछा कि इसके लिए पाकिस्तानी सोशल मीडिया की मदद यों ली। कांग्रेस का आरोप है कि हिमंत की पत्नी का इजिप्ट का एक पासपोर्ट अभी एसपायर नहीं हुआ है।

इसके साथ ही कांग्रेस ने चुनौती दी है कि सरकार को लाइए और अगर यह फेक है तो या उन्होंने केवाईसी में फेक डॉयूमेंट लगाए। कांग्रेस ने इस मामले में बीजेपी और हिमंत से जवाब मांगा। कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने तो इस देश का नाम एक दो बार ही सुना है, वहां मैंने सुना है पासपोर्ट बनाना आसान होता है, जेब भरी हुई होनी चाहिए ये एक और पासपोर्ट है और ये भी जिंदा है। मैं 3 पासपोर्ट किसी कारण से कह रहा हूं। मैं ये मानना चाहता हूं, हम सब ये मानना चाहते हैं कि आपके पास हिंदुस्तान का भी पासपोर्ट होगा। अगर है तो साहब हिंदुस्तान दोहरी नागरिकता को गैरकानूनी मानता है। कानून के अनुसार दोहरी नागरिकता असंवैधानिक है। तो आप बताइए आप इंडियन नेशनल हैं या नहीं। अगर हैं तो आपके पास तीन पासपोर्ट हैं और अगर आप नहीं हैं तो बहुत बढ़िया। कांग्रेस के आरोपों पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, कल पवन खेड़ा और गौरव गोगोई ने दो प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं, एक दिल्ली में, एक गुवाहाटी में। हमारी रिसर्च के दौरान, हमने पाया कि कल हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस का पूरा मटीरियल एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप ने दिया था। पिछले 10 दिनों में, पाकिस्तान चैनल ने असम चुनाव के बारे में कम से कम 11 टॉक शो किए हैं, जो पहले कभी नहीं हुआ। और हर टॉक शो में, नतीजा यह निकला कि कांग्रेस को जीतना चाहिए। हिमंत ने कहा, आम तौर पर, जब आप किसी खास मुद्दे को फर्जी डॉयूमेंट्स के साथ जनता के सामने उठाते हैं, तो उस पर आईपीसी की धारा 420 और 468 लगती है। बेशक, नए बीएनएस में एक कॉरेस्पोंडेंस प्रोविजन है। जब आप किसी चुनाव के नतीजे या आउटकम को प्रभावित करने के लिए इन आरोपों का इस्तेमाल फर्जी डॉयूमेंट्स के साथ करते हैं, तो उस पर ज्यादा सजा का प्रोविजन लगता है।

मां की मौजूदगी में घर घुसकर किशोर को कार में ले भागा, चंद घंटे में आरोपी गिरफ्तार

17 वर्षीय बालक के अपहरण मामले में लैलूंगा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, अपहृत बालक सकुशल बरामद

कुंजारा व सारसमाल के बीच जंगल में घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा, अपहरण में प्रयुक्त टीयूव्ही वाहन जब्त

रायगढ़। थाना लैलूंगा क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर के अपहरण के मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी राजेश गुप्ता (36 वर्ष), निवासी ग्राम टटकेला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी अपहृत बालक का रिस्तेदार बताया गया है।

घटना के संबंध में पीड़ित बालक की मां द्वारा 03 अप्रैल 2026 को थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई । रिपोर्ट के अनुसार 02 अप्रैल की रात आरोपी राजेश गुप्ता शराब के नशे में पीड़िता के घर जबरन घुसा और उसके पुत्र को जगाकर उसके पिता के बारे में पूछताछ करने लगा। पिता के घर पर नहीं होने की जानकारी मिलने पर आरोपी ने किशोर को जबरन पकड़कर अपने साथ ले जाने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि 'इसको ले जा रहा हूं, इसका बाप 10,000 रुपये लेकर मेरे पास आएगा' और महिला को किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता जब गांव के लोगों के साथ थाना रिपोर्ट करने आ रही थी, तभी आरोपी ने रास्ते में उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर दुर्घटना करने का प्रयास किया। ग्राम कुंजारा के पास आरोपी ने उनकी वेगनआर कार को टक्कर मार दी और बाद में थाना के पास पहुंचने पर उनकी इको कार को भी पीछे से टक्कर मारकर फरार हो गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना लैलूंगा में अपराध क्रमांक 111/2026 धारा 331(2), 137(2), 351(3), 281 बीएनएस एवं 184, 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव एवं सहायक उप निरीक्षक राजेश दर्शन के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए अपहृत बालक की पतासाजी की गई। बालक को ग्राम कुंजारा और सारसमाल के बीच सुरक्षित अवस्था में बरामद कर लिया गया। साथ ही आरोपी को जंगल क्षेत्र में उसके ञङ्क वाहन सहित घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त वाहन को भी जप्त कर लिया गया है। आरोपी- राजेश गुप्ता पिता बेनूराग गुप्ता उम्र 36 वर्ष निवासी टटकेला थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस संपूर्ण कार्रवाई में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्दांत तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव, सहायक उप निरीक्षक राजेश दर्शन सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

एसएसपी शशि मोहन सिंह का संदेश

अपहरण के इस घटना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । आमजन की सुरक्षा रायगढ़ पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शशिमोहन सिंह, एसएसपी रायगढ़

'जुले-जुले' कहकर लद्दाख वासियों ने जताया आभार, प्रदेश से बाहर बढ़ रही मांग, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

लैलूंगा से लद्दाख तक पहुंचा जैविक जवाफूल चावल

रायगढ़। लैलूंगा क्षेत्र से भेजा गया 'केलो' जैविक जवाफूल चावल लद्दाख के कारगिल जिले के गरकोन गांव तक पहुंच गया है। लद्दाख में पार्सल पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इसे खोला गया। चावल की खुशबू और गुणवत्ता ने सभी को प्रभावित किया और लोगों ने इसकी सराहना की। लद्दाखी परंपरा के अनुसार 'जुले-जुले' कहकर स्थानीय लोगों ने आभार जताया। उन्होंने कहा कि इतनी दूर से चावल मिलना उनके लिए एक अलग और खास अनुभव है। लद्दाख से साझा किए गए वीडियो में स्थानीय नागरिकों ने कहा कि हम रायगढ़ जिला प्रशासन के बहुत शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने हमारी मांग पर 'सुगंधित चावल यहां लद्दाख तक पहुंचाया। इसके लिए हम उनका विशेष धन्यवाद करते हैं।

बता दें कि कुछ समय पहले गरकोन गांव के एक उपभोक्ता द्वारा वीडियो के माध्यम से रायगढ़ जिले के लैलूंगा में उत्पादित सुगंधित चावल के प्रति रुचि व्यक्त की गई थी। इसके बाद पहल करते हुए रायगढ़ से चावल और उसके बीज पार्सल के जरिए भेजे गए। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लैलूंगा क्षेत्र में किसान सुगंधित 'जवाफूल' चावल की खेती कर रहे हैं। इसकी खेती के लिए 5 किसान उत्पादक संगठन का गठन किया गया है, जिनमें 1000 से अधिक किसान जुड़े हुए हैं और संगठित रूप से इस फसल का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 'जवाफूल' चावल के प्रचार-प्रसार के लिए यूट्यूब चैनल के माध्यम से भी जानकारी साझा की जा रही है।

क्षेत्र को नई पहचान भी दिला रहा जवाफूल चावल

गौरतलब है कि प्रशासन के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा इस फसल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही किसान समूहों और एफपीओ के माध्यम से उत्पादन और विपणन को संगठित किया जा रहा है। 'केलो' जैविक जवाफूल चावल अब लैलूंगा की एक मजबूत पहचान बन चुका है। यह न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि क्षेत्र को नई पहचान भी दिला रहा है। जवाफूल धान की प्रमुख विशेषता इसकी प्राकृतिक सुगंध और स्वाद है, जो लैलूंगा क्षेत्र की विशेष जलवायु में विकसित होती है। 'केलो' जैविक जवाफूल चावल की मांग अब छत्तीसगढ़ से बाहर भी बढ़ रही है। बेंगलुरु, चेन्नई, तेलंगाना, लद्दाख और कारगिल जैसे क्षेत्रों में इसकी मांग देखी जा रही है

महिलाओं के मोबाइल में बजी खुशियों की घंटी, महतारी वंदन की 26वीं किश्त जारी

68.48 लाख महिलाओं के खाते में ट्रांसफर हुए 641.62 करोड़ रूपए

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए संचालित महतारी वंदन योजना की 26वीं किश्त की राशि आज जारी की गई। इसके जारी होते ही हितग्राही महिलाओं के मोबाईल में खुशियों के नोटिफिकेशन की घंटी बज उठी। इस योजना के तहत राज्य की 68 लाख 48 हजार 899 महिलाओं को 641 करोड़ 62 लाख 92 हजार रूपए उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। लाभान्वित हितग्राहियों में 7773 महिलाएं नियद नेल्ला नार के योजना के गांवों की रहने वाली है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए और महिलाओं की बेहतरी के लिए यह योजना मार्च 2024 में शुरू की गई थी। तब से लेकर अब तक हर महीने हितग्राही महिलाओं को एक-एक हजार रूपए की सहायता राशि नियमित रूप से दी जा रही है। इस योजना के तहत अब तक हितग्राही महिलाओं को 16,881 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। गौरतलब है कि इस योजना के अंतर्गत हितग्राही महिलाओं के केवाईसी पूरा किए जाने का काम भी तेजी से कराया जा रहा है। केवाईसी के अद्यतन की यह प्रक्रिया ई-गवर्नेस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड के माध्यम से 3 अप्रैल से शुरू की गई है, जो 30 जून तक चलेगी। व्हीएलई द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत भवन में तथा शहरी क्षेत्र में वार्ड कार्यालय में केवाईसी अद्यतन का कार्य हो रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने महतारी वंदन योजना की ऐसी हितग्राही महिलाओं से जिनका ई-केवाईसी नहीं हुआ है, उनसे तत्काल ई-केवाईसी कराने की अपील की है ताकि योजना की सहायता राशि बिना किसी व्यवधान के उनके खाते में पहुंच सके। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों की संख्या 68,94,633 है, जिसमें से केवाईसी हेतु लंबित हितग्राहियों को छोड़कर 68,48,899 हितग्राहियों को 26वीं किश्त का भुगतान किया गया है।

चौकी खरसिया पुलिस ने मोबाइल से सट्टा संचालित करते आरोपी को पकड़ा

मालधक्का रोड में खरसिया पुलिस ने की सट्टा रेड, आरोपी से मोबाइल और 10,500 रुपए नगदी जब्त

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ 'ऑपरेशन अंकुश' के तहत जुआ-सट्टा पर भी प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में चौकी खरसिया पुलिस द्वारा सट्टा के खिलाफ सटीक कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कल चौकी प्रभारी खरसिया निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि मालधक्का रोड खरसिया में एक व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना पर तत्काल रेड कार्रवाई करते हुए आरोपी ताजी लाल पटेल (39 वर्ष), निवासी मौहापाली को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने सट्टा लिखना स्वीकार किया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया, जिसमें व्हाट्सएप के माध्यम से सट्टा संबंधी मैसेज का आदान-प्रदान किया जा रहा था। साथ ही आरोपी के पास से सट्टा की नगदी रकम 10,500 रुपए भी बरामद कर गवाहों के समक्ष जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध चौकी खरसिया (थाना खरसिया) में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी, सहायक उप निरीक्षक मनोज पटेल, आरक्षक किशोर राठौर, साविल चंद्रा और मुकेश यादव की सराहनीय भूमिका रही।

सट्टा खाईवाल और पट्टी लिखने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारीः एसएसपी

एसएसपी शशि मोहन सिंह का कहना है कि जिले में सट्टा, जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सट्टा खाईवाल एवं सट्टा पट्टी लिखने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी, किसी भी स्तर पर इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर भी बिलासपुर तक ही चलेगी, लंबी दूरी की ट्रेनें भी चल रहीं घंटों लेट

फिर बढ़ेंगी रेलयात्रियों की दिक्कतें, बीआर मेमू सहित 10 ट्रेनें रद्द

रायगढ़। रेल यात्रियों की दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक ओर लंबी दूरी की ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं, दूसरी ओर चौथी लाइन निर्माण व अधोसंचना के नाम से पैसेंजर सहित अन्य ट्रेनों को भी रद्द करने का सिलसिला जारी है। रेलवे ने एक बार फिर रायगढ़-बिलासपुर मेमू सहित 10 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ऐन गर्मियों की छुट्टी व शादी-ब्याह के सीजन में ट्रेनों के रद्द करने से यात्रियों में काफी नाराजगी है। विशेषकर, प्रतिदिन ट्रेन से आना-जाना करने वाले व कामकाजी लोगों ने रेलवे के निर्णय पर रोष जताते हुए कहा है कि उसी लाइन पर एक्सप्रेस ट्रेनें व मालगाड़ियां को परिचालन बदस्तूर जारी है, लेकिन पैसेंजर ट्रेनों को ही रद्द कर दिया जाता है, जो उचित नहीं है।

हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथीलाइन निर्माण कार्य के चलते रेलवे ने दस ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। वहीं दो ट्रेनें गंतव्य से पहले समाप्त और शुरू होगी। रेलवे प्रबंधन ने बताया है कि बिलासपुर मंडल के जांजगीर-नैला स्टेशन में चौथी लाइन कनेक्टिविटी एवं ऑटो सिग्नलिंग कार्य के लिए प्रीनॉन /नॉनइंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा, जिसके फलस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रद्द रहने वाली गाड़ियों में 16 से 27 अप्रैल तक बिलासपुर व रायगढ़ से चलने वाली 68738/68737 बिलासपुर-रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक रायगढ़ से चलने वाली 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 15 से 26 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर से चलने वाली 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 15 से 26 अप्रैल 2026 तक रायपुर से चलने वाली 68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक गेवरा रोड से चलने वाली 68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 15 से 26 अप्रैल 2026 तक रायपुर से चलने वाली 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक कोरबा से चलने वाली 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर व गेवरा रोड से चलने वाली 68734/68733 बिलासपुर-गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर व कोरबा से चलने वाली 68732/68731 बिलासपुर-कोरबा-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 11 से 25 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर से चलने वाली 58210 बिलासपुर-गेवरा रोड पैसेंजर रद्द रहेगी।

गंतव्य से पहले समाप्त व प्रारंभ होने वाली गाड़ियां

16 से 27 अप्रैल 2026 तक गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन में समाप्त होगी तथा बिलासपुर-झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी। 16 से 27 अप्रैल 2026 तक झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारम्भ होगी तथा झारसुगुड़ा-बिलासपुर के मध्य रद्द रहेगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध

गाड़ी संख्या 18250/18249 तथा 18252/18251 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस 16 से 27 अप्रैल 2026 तक कोरबा-बिलासपुर-कोरबा के मध्य पैसेंजर के रूप में चलाई जाएगी।

ई-ऑफिस प्रणाली में शासकीय पत्रों की प्रतिलिपि पर हस्ताक्षर की आवश्यकता समाप्त

रायपुर। राज्य शासन ने ई-ऑफिस प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम निर्णय लिया है. नई व्यवस्था के तहत अब शासकीय पत्राचार में कार्यालयीन ज्ञापन, पत्र और आदेश जैसे दस्तावेजों में केवल मूल प्रति पर ही सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर किए जाएंगे. जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि पृष्ठांकित प्रति (एंडोर्समेंट) पर अब हस्ताक्षर करने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है. इस फैसले से सरकारी कामकाज में अनावश्यक औपचारिकताओं को कम करने के साथ-साथ कार्यप्रणाली में तेजी आने की उम्मीद है. शासन का मानना है कि इस पहल से प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा और ई-ऑफिस प्रणाली और अधिक प्रभावी बन सकेगी. सभी विभागों और कार्यालयों को इस नई व्यवस्था का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं.

तेज रफ्तार ट्रैक्टर से गिरकर किशोर की मौत, जांच जारी

रायगढ़। जिले के कोतरा रोड थाना क्षेत्र में 31 मार्च 2026 की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 16 वर्षीय साहिल उरांव की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 06ः35 बजे ग्रीन व्यू कॉलोनी पतरापाली के पास हुई। साहिल उरांव, पिता सुंदरलाल उरांव, निवासी घुचकुलिया थाना जैजैपुर जिला सक्ती, ट्रैक्टर की ट्रॉली में बैठकर जा रहा था। हादसे के बाद उसे जिंदल अस्पताल पतरापाली लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले की सूचना एम्बुलेंस चालक रामचंद्र रजक द्वारा पुलिस को दी गई। मर्ग जांच और पंचनामा कार्रवाई के दौरान सामने आया कि ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 13 एलए 1533 का चालक राजा निषाद वाहन को तेज और लापरवाहीपूर्वक चला रहा था। सड़क पर बने ब्रेकर पर ट्रैक्टर के उछलने से ट्रॉली में बैठा साहिल संतुलन खो बैठा और नीचे गिरकर ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसके सिर, चेहरे, कंधे, छाती, हाथ और हथेली में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कोतरा रोड पुलिस ने जांच के बाद आरोपी चालक राजा निषाद के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस एवं 184 मोटरयान अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना जारी है और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

संजू सैमसन की चमकी किस्मत, आईसीसी ने अवार्ड के लिए किया नॉमिनेट

नई दिल्ली (ए.)। संजू सैमसन के लिए आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 काफी अच्छा गया था। हालांकि शुरुआती मैचों में वे भारत की प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठे रहे। उसके बाद जब उन्हें मौका मिला तो खास रन नहीं बना पाए, लेकिन जैसे जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा संजू ने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी की और स?बको चकित कर दिया। इस बीच अब आईसीसी ने संजू को प्लेयर ऑफद मंथ के लिए नॉमिनेट किया है। उनकी टक्कर पहले तो भारतीय टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से होगी, साथ ही साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन से भी जीतना पड़ेगा। आईसीसी ने मार्च माह के प्लेयर ऑफमंथ के लिए तीन नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों का ऐलान कर दिया है। इसमें पहला नाम संजू सैमसन का है। दरअसल टी20 विश्व कप 2026 भले ही फरवरी में शुरू हो गया हो, लेकिन संजू का असली फॉर्म मार्च में ही नजर आया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए करो या मरो के मुकाबले में संजू ने 97 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को सेमीफाइनल तक ले जाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद जब भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला हुआ तो वहां भी संजू ने धमाकेदार अंदाज में 89 रन बनाए। फाइनल में भी न्यूजीलैंड के खिलाफसंजू का बल्ला जमकर बोले, उन्होंने खिताब भिड़ंत में भी 89 रन बनाए। इस तरह से आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में संजू ने बैक टू बैक तीन अर्धशतक लगाए। यही वजह रही कि संजू को प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी दिया गया। केवल मार्च की बात की जाए तो संजू ने उसमें 137.50 के जबरदस्त एवरेज और 199.27 के स्ट्राइक रेट से 275 रन बनाए। इसके बाद बात करते हैं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की। उन्हें भी आईसीसी ने नॉमिनेट किया है। जसप्रीत बुमराह का भी भारत को विश्व कप दिलाने में बहुत ही अहम रोल रहा। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच में बुमराह ने दो विकेट अपने नाम किए। इसके बाद सेमीफाइनल में भी उन्होंने गजब की गेंदबाी करते हुए एक विकेट चटकाया। हालांकि उन्हें विकेट तो ज्यादा नहीं मिले, लेकिन जिस तरह की किफायती गेंदबाजी बुमराह ने की, वो अतुलनीय रही। इसके बाद विश्व कप के फाइनल में बुमराह ने चार ओवर में केवल 15 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इन दो भारतीयों के अलावा आईसीसी ने साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन का भी नाम शामिल किया है। उन्होंने भी मार्च के महीने में अच्छा खेल दिखाया।

फखर जमां पर पीसीबी ने लगाया बैन, अब पीएसएल में बन गए इस टीम के कोच

नई दिल्ली (ए.)। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर जमां पाकिस्तान सुपर लीग मैच में गेंद से छेड़छाड़ के आरोप में दोषी पाए गए। इसके बाद जमां पर दो मैचों के लिए बैन लगा दिया गया है। इस फैसले की पुष्टि 3 अप्रैल को हुई, जब क्क्रुरु की अपीलीय संस्था ने उनकी अपील खारिज कर दी। उन पर क्क्रुरुआचार संहिता के लेवल 3 के उल्लंघन का आरोप था, क्योंकि उन्होंने गेंद की स्थिति में बदलाव किया था। दो मैचों के लिए बैन होने के बाद भी लाहौर कलंदर्स ने उन्हें टीम से अलग नहीं किया है और अब उन्हें एक नई भूमिका सौंप दी है। लाहौर की टीम ने अब भी उन्हें टीम के साथ जोड़े रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर कलंदर्स की टीम ने फखर जमां को अपनी टीम का कोच नियुक्त किया है। लाहौर कलंदर्स ने फखर को एक अलग तरीके से टीम से जोड़े रखने का फैसला किया। अपने सस्पेंशन के दौरान, 3 अप्रैल को लाहौर में मुल्तान सुल्तान्स के खिलाफमैच के दौरान उन्होंने लाहौर की टीम के लिए टेम्पररी हेड कोच की भूमिका निभाई। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस मैच की कमान फखर ने संभाली थी, हालांकि इस बात का कोई साफस्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि लाहौर के रेगुलर कोच रसेल डोमिंगो ने यह भूमिका क्यों नहीं निभाई। आपको बता दें कि बैन लगने की वजह से फखर जमां मुल्तान सुल्तान के खिलाफमैच में नहीं खेल पाए थे। वह 9 अप्रैल को इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ होने वाले मुकाबले से भी बाहर रहेंगे। उम्मीद है कि वह 11 अप्रैल को पेशावर जाल्मी के खिलाफहोने वाले मैच में वापसी करेंगे। लाहौर और मुल्तान के बीच खेले गए मैच की बात करें तो बारिश की वजह से ये मुकाबला सिर्फ13 ओवर का हुआ था। पहले बल्लेबाजी करते हुए लाहौर की टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाए। जवाब में मुल्तान सुल्तान की टीम 13 ओवर में 165 रन ही बना सकी और 20 रन से मैच हार गई।

वनडे का अनोखा रिकॉर्ड, ना बनाया कोई रन, ना ही लिया विकेट, फिर भी बना प्लेयर ऑफद मैच

नई दिल्ली (ए.)। वनडे क्रिकेट हो या फिर कोई और फॉर्मेट। अक्सर आपने देखा होगा कि जिस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा रन बनाए हों या फिर सबसे ज्यादा विकेट लिए हों, उसे मैच के बाद प्लेयर ऑफद मैच का अवार्ड दिया जाता है। लेकिन क्या हो कि हम आपसे कहें कि एक बार ऐसा भी हुआ है, जब उस खिलाड़ी को ये अवार्ड दे दिया गया, जिसने ना तो एक भी रन बनाया और ना ही कोई विकेट लिया। यहां तक कि कैच भी नहीं लपका। ये कोई बहुत पुरानी बात नहीं है। साल 2001 में ही ऐसा हुआ था। चलिए आपको बताते हैं कि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट का ये अनोखा और अलबेला रिकॉर्ड कब बन गया। साल 2001 में जून का महीना। हरारे क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज ओर जिम्बाब्वे की टीमें आमने सामने थीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 266 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज डेरेन गंगा ने 66 रन बनाए। वहीं क्रिस गेल के बल्ले से 53 रनों की पारी आई। शिवनारायण चंद्रपॉल ने भी 51 रनों की पारी खेली। बाकी कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। उस वक्त के हिसाब से ये वनडे का ठीकठाक स्कोर था। ये हा?सिल किया जा सकता था। इसके बाद जब जिम्बाब्वे की टीम इस लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरी तो सलामी बल्लेबाज एलिस्टर कैंपबेल ने 68 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उनके अलावा और कोई बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना पाया। जिम्बाब्वे की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 239 रन ही बना सकी। इस तरह से वेस्टइंडीज ने बड़ी आसानी से 27 रन से मैच अपने नाम किया। वेस्टइंडीज की ओर से मार्विन ढिल्लन ने तीन विकेट चटकाए। लेकिन उस वक्त सभी लोग चौंक गए, जब प्लेयर ऑफद मैच का ऐलान किया गया। ये अवार्ड कैमरून कॉफी को दिया गया। कैमरून कॉफी की बैटिंग नहीं आई, क्यों?कि वे गेंदबाज हैं और वेस्टइंडीज के 5 ही विकेट गिरे थे। लेकिन गेंदबाजी की, हालांकि उन्हें कोई भी विकेट नहीं मिला। लेकिन उन्हें फिर मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी क्यों घोषित किया गया। इसका जवाब है किफायती गेंदबाजी। कैमरून कॉफी ने 10 ओवर में केवल 20 रन खर्च किए। उनके दो ओवर तो मेडन गए, जिसमें कोई रन गया ही नहीं। मार्विन ढिल्लन ने भले ही तीन विकेट लिए हों, लेकिन उन्होंने 10 ओवर में 48 रन दे दिए थे, जो उस वक्त काफी ज्यादा माने जाते? थे। इतना ही नहीं कैमरून काफी ने कोई कैच भी नहीं लिया।

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग शुरू, बुधवार को होगी फैसलों की घोषणा

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 3 दिन तक चलने वाली मीटिंग सोमवार को शुरू हो गई। ये चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक है। ये बैठक ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने की संभावना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यों की मौद्रिक नीति समिति का फैसला बुधवार, 8 अप्रैल को घोषित किया जाएगा। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से अब तक नीतिगत दर रेपो में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। ये 2019 के बाद से सबसे बड़ी कटौती है। आरबीआई ने आखिरी बार पिछले साल दिसंबर में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। पिछली मीटिंग फरवरी में आयोजित हुई थी और उस मीटिंग में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया था। एक्सपर्ट्स के अनुसार, एमपीसी के सदस्य पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता और घरेलू मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि खुदरा महंगाई आरबीआई के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य के करीब पहुंच गई है, लेकिन वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हाल में आई तेजी ने घरेलू कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

एक अनुमान के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति 0.60 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। कच्चे तेल की कीमत लंबे समय से लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास थीं। 28 फरवरी को मिडिल-ईस्ट में संघर्ष शुरू होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा, युद्ध के बाद से भारतीय मुद्रा का मूल्य 4 प्रतिशत से ज्यादा टूटा है, जिसका असर आयातित मुद्रास्फीति पर भी पड़ा है। एक्सपर्ट्स का ये भी मानना है कि केंद्रीय बैंक आगामी समीक्षा में अपने मौजूदा तटस्थ रुख को बरकरार रखेगा, जो मुद्रास्फीति की बदलती परिस्थितियों और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूती को बनाए रखने की प्राथमिकता को दर्शाता है।

एलपीजी संकट : बिना कनेक्शन एजेंसी से खरीद सकेंगे ये गैस सिलेंडर

नई दिल्ली (ए.)। एलपीजी संकट के बीच आम लोगों को बड़ी राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने एक नई पहल शुरू की है। अब मिनी FTL गैस सिलेंडर को एजेंसियों के जरिए उपलेध कराया जा रहा है, जिससे बिना पारंपरिक गैस कनेशन के भी लोग आसानी से गैस सिलेंडर खरीद सकेंगे। इस योजना के तहत उपभोक्ता केवल आधार कार्ड या कोई भी वैध पहचान पत्र दिखाकर मिनी सिलेंडर खरीद सकते हैं। इसकी कीमत करीब 1581 रुपये रखी गई है, जबकि 5 किलो गैस रिफिल मात्र 600 रुपये में उपलेध होगी। खबर के मुताबिक, यह सुविधा खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है, जो किराए के मकानों में रहते हैं- जैसे स्टूडेंट्स, प्रवासी मजदूर और अस्थायी कामगार। अब तक गैस कनेशन न होने के कारण इन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। एलपीजी संकट से पहले ये लोग `लैक में सिलेंडर खरीदते थे, जो 100-200 रुपये महंगा मिलता था। लेकिन हाल के समय में किल्लत बढ़ने के बाद यही सिलेंडर 6,000 से 7,000 रुपये तक पहुंच गया, जिससे आम आदमी के लिए इसे खरीदना लगभग नामुमकिन हो गया। ऐसे में मिनी स्न्रुरु सिलेंडर एक किफायती और आसान विकल्प बनकर सामने आया है। एक सिलेंडर करीब 15-20 दिनों तक चल सकता है, जिससे दैनिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकती हैं। सरकार की यह पहल खासकर उन लोगों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जो गैस संकट के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। देशभर में गैस सिलेंडर की उपलेधता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। लोगों ने एजेंसी पर कालाबाजारी करने के भी आरोप लगाए हैं। इधर, सरकार लगातार कह रही है कि देश में एलपीजी, सीएनजी, पेट्रोल-डीजल आदि की कोई कमी नहीं है। हमारे पास बड़ी मात्रा में रिजर्व है और भारतीय तटों पर जहाज भी लाने की कोशिशें जारी हैं। ईरान युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर कई जहाज फंसे हुए हैं।

रातोंरात स्टार बनी एक्ट्रेस, 5 साल में 6 फिल्में करके पर्दे से हुई ओझल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक में ऐसे कई सितारे हैं, जिनका करियर किसी रोलर कोस्टर राइड की तरह रहा है। कभी इंडस्ट्री में चमकता सितारा रहे, लेकिन फिर करियर में वो मोड़ भी आया, जब पूरी इंडस्ट्री ने इनसे मुंह फेर लिया। किसी के फ्लॉप होते प्रोजेक्ट्स ने इन्हें साइड लाइन कर दिया तो किसी के लिए एक कॉन्ट्रोवर्सी सिर का दर्द बन गई। प्रयागा मार्टिन का करियर भी कुछ ऐसा ही रहा है। प्रयागा ने टीनएज में ही फिल्मी दुनिया में कदम रख दिए थे और किसी छोटे-मोटे नहीं बल्कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म से डेब्यू किया था। इसके बाद प्रयागा ने हॉरर फिल्म में भूत का रोल निभाया और रातोंरात स्टार बन गईं, लेकिन अचानक ही उनके करियर की रफ्तार कम हो गई। प्रयागा ने बहुत ही कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रख दिए थे। उन्होंने मलयालम फिल्म 'सागर एलियास जैकी रीलोडेड' से डेब्यू किया। इस फिल्म में मोहनलाल लीड रोल में थे और प्रयागा इसमें छोटे से रोल में थीं। हालांकि, वह अपनी स्क्रीन प्रेजेंस दर्ज कराने में सफल रहीं। फिल्म में उनके मोहनलाल के साथ भी कुछ सीन थे, जिसने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया। प्रयागा ने पांच साल की उम्र सेही डांस सीखना शुरू कर दिया था। भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम और कुचिपुड़ी जैसे क्लासिकल डांस फॉर्म्स में प्रयागा ने ट्रेनिंग ली और स्कूल के दिनों में वह हमेशा स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों में एक्टिंग किया करती थीं।

थ्रिलर, ड्रामा और सस्पेंस, 'ओ रोमियो' से 'तू या मैं' तक, इस हफ्ते ओटीटी पर मचेगा तहलका

नई दिल्ली (ए.)। जैसे-जैसे नया सप्ताह अपनी रफ्तार पकड़ रहा है, मनोरंजन की दुनिया में हलचल तेज हो गई है। एक तरफजहां सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' का जलवा कायम है, वहीं डिजिटल स्पेस भी दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस हफ्ते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रोमांच, थ्रिलर और ड्रामा का एक अनोखा संगम देखने को मिलने वाला है। चाहे आप हॉलीवुड की चर्चित सीरीज के दीवाने हों या बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों का इंतजार कर रहे हों, 7 से 12 अप्रैल के बीच नेटफ्लिक्स से लेकर प्राइम वीडियो तक हर जगह आपके मनोरंजन का पुख्ता इंतजाम है। कुछ नामी सीक्वेल्स की वापसी हो रही है तो कुछ फिल्में थिएटर के बाद अब आपके मोबाइल स्क्रीन पर दस्तक दे रही हैं। तैयार हो जाइए इस हफ्ते की धमाकेदार डिजिटल रिलीज के लिए। सुपरहीरो सीरीज के दीवानों के लिए इस हफ्ते का सबसे बड़ा धमाका 'द बॉयज' का पांचवां और अंतिम सीजन है। फैंस लंबे समय से होमलैंडर और बुचर के बीच होने वाले अंतिम मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। यह सीरीज 8 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी 'ओ रोमियो' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आ रही है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रिवेंज ड्रामा है। फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा, फरीदा जलाल और विक्रांत मैसी जैसे कलाकारों की लंबी फौज है। यह 10 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। निर्देशक बिजॉय नांबियार की यह फिल्म एक सर्वाइवल थ्रिलर है, जिसमें शनाया कपूर और आदर्श गौरव मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह थाई फिल्म 'द पूल' की आधिकारिक रीमेक है। सस्पेंस से भरी यह फिल्म 10 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकेगी। तमिल सिनेमा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थाई किजहवी' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कदम रख रही है। इसमें राधिका सरथकुमार ने एक 70 वर्षीय बेखौफ साहूकार की भूमिका निभाई है। शिवकुमार मुरुगेसन द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब यह 10 अप्रैल से जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी। अगर आप शार्क सर्वाइवल थ्रिलर के शौकीन हैं तो 'थ्रैश' आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। फिल्म की कहानी एक शहर में आए समुद्री तूफान और उसके साथ आने वाली खतरनाक शार्क के हमलों के इर्द-गिर्द घूमती है। अपनी जान बचाने के लिए लोगों का संघर्ष आपको रोमांचित कर देगा। यह फिल्म 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।

पीएम-आशा योजना के तहत समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन की खरीदी शुरू

घोंटा में कलेक्टर एवं तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष ने खरीदी का किया शुभारंभ

दुर्ग। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर दलहन और तिलहन की खरीदी शुरू कर दी गई है। विपणन वर्ष 2026-27 के लिए प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत चना, सरसों एवं अरहर की खरीदी का शुभारंभ आज विकासखंड धमधा के सेवा सहकारी समिति घोंटा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने भगवान बलराम के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर किया। शुभारंभ के दौरान किसानों द्वारा लाए गए चना की तौल मशीन में तौल कर खरीदी प्रक्रिया की विधिवत शुरुआत की गई। शुभारंभ अवसर पर 12 किसानों से 336 क्विंटल चना और एक किसान से 10 क्विंटल अरहर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण (पीएम-आशा) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को इसका पूरा लाभ सही तरीके से मिलना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में धान खरीदी एक बड़े अभियान के रूप में सफलतापूर्वक संचालित की गई है और अब अन्य फसलों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शामिल करने की मंशा भारत सरकार की है। इसी उद्देश्य के तहत पीएम-आशा योजना की शुरुआत की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की मंशा है कि धान के अलावा अन्य फसलों को भी बढ़ावा दिया जाए। लगातार एक ही फसल उगाने से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है और पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और बीमारियों का खतरा भी कम होता है। धान की खेती में पानी की खपत अधिक होती है। उन्होंने किसानों से चना, दलहन जैसी कम पानी वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा जल है तो कल है यदि अभी पानी बचाएंगे तो हमारे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू ने कहा कि धान खरीदी छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना रही है, जिसे सरकार ने अपने वादे के अनुरूप सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। किसानों की आमदनी में और वृद्धि हो, इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण (पीएम-आशा) योजना लागू की गई है। यह योजना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक होगी।

किसानों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान भी शीघ्र किया जाएगा। अध्यक्ष श्री साहू ने किसानों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक धान की खेती के साथ-साथ अन्य फसलों की ओर भी ध्यान दें। उन्होंने फसल चक्र अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहेगी और किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। कृषि विभाग के उपसंचालक संदीप भोई ने बताया कि योजनान्तर्गत जिले के 07 समितियों धमधा, घोटा, लिटिया, कन्हारपुरी, चंदखुरी और पाटन को उपार्जन केंद्र के रूप मे अधिसूचित किया गया है। इस योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीफ फसल अरहर 8000 एवं रबी फसल चना 5875 रूपए, मसूर 7000 रूपए, एवं सरसों 6200 रूपए प्रति क्वि. की दर से पंजीकृत किसानों से उपार्जन किया जाएगा।

स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई-3 मंडल में चना व शरबत वितरण किए

भिलाई-03 । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा भिलाई-3 मंडल द्वारा सेवा और समर्पण की भावना के साथ शासकीय अस्पताल भिलाई-3 के सामने राहगीरों एवं भिलाई वासियों के बीच चना मशाला एवं शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा जिला प्रवक्ता प्रेम लाल साहू, मंडल अध्यक्ष वरुण यादव, मंडल उपाध्यक्ष रवि नाहर एवं मंडल महामंत्री समीर अग्रवाल विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल व सुषमा जेठानी, जिला प्रवक्ता-प्रेम लाल साहू, ओ बी सी मोर्चा प्रदेश महामंत्री- उपकार चंद्राकर, पूर्व नपाध्यक्ष-सीता साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता-डॉ राधे श्याम वर्मा, निगम उपनेता प्रतिपक्ष-राम खिलावन वर्मा, पूर्व जिला मंत्री- दिलीप पटेल, उपस्थित रहे। अपने संबोधन में जिला प्रवक्ता प्रेम लाल साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। स्थापना दिवस के अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा करना ही पार्टी की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना के साथ निरंतर कार्य करें। भाजपा ओ बी सी मोर्चा प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के मूल मंत्र को आत्मसात कर कार्य करता है। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और पार्टी की जनसेवा की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मंडल अध्यक्ष श्री वरुण यादव ने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस हम सभी के लिए प्रेरणा का दिन है। यह हमें संगठन की मजबूती और समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दिलाता है।

आयुक्त ने किया शहर के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों और भविष्य की कार्ययोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए मैदानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समय सीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण की शुरुआत आयुक्त द्वारा निगम के मुख्य कार्यालय के सामने पूर्व निर्मित सीसी रोड के अवलोकन से हुई। उन्होंने सड़क की वर्तमान स्थिति, फिनिशिंग और मजबूती का बारीकी से निरीक्षण किया। सड़क के आसपास जल भराव न हो, इसके लिए उन्होंने ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त रखने के संबंध में संबंधित इंजीनियरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात, आयुक्त नेहरू नगर पूर्व स्थित कमर्शियल परिसर पहुँचे। यहाँ उन्होंने परिसर में स्थित पुरानी पानी टंकी की स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा मानकों का दिशानिर्देश दिए। क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रस्तावित नई सड़क के स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने स्थल के अनुरूप कार्य जल्द शुरू करने की प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें ताकि आम नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर निगम के जोन आयुक्त अजय राजपूत, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता बसंत साहू, पुरुषोत्तम सिंहा, रीमा जमुलकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी एवं अन्य संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएसपी अस्पताल के पीछे टावर से कूदकर युवक द्वारा आत्महत्या की घटना

दुर्ग । दिनांक 06.04.2026 को थाना नंदिनी नगर क्षेत्र अंतर्गत बीएसपी अस्पताल के पीछे स्थित टाउनशिप क्षेत्र में एक युवक द्वारा टावर से कूदकर आत्महत्या करने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। मृतक की पहचान आकाश चंद्रिका पुरे, उम्र 21 वर्ष, निवासी सड़क नंबर 6, मकान नंबर 3 ए, टाउनशिप, थाना नंदिनी नगर, जिला दुर्ग के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच एवं पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक द्वारा भी मृत्यु का कारण आत्महत्या बताया गया है। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि मृतक एक दिन पूर्व अपने घर के पास वाहन को दीवार से टकरा देने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे वह मानसिक रूप से तनाव में था। परिजनों के बाहर रहने एवं संभावित डांट के भय से उसने उक्त कदम उठाया। मृतक डिप्लोमा प्रथम सेमेस्टर का छात्र था।

आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने के मामले में फरार आरोपिया गिरफ्तार

दुर्ग । प्रार्थी सृजन कन्हैया पाण्डेय, निवासी हाउसिंग बोर्ड कोहका द्वारा सूचना दी गई कि मोहन रामटेके, उम्र 42 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड कोहका, दिनांक 28.03.2026 को प्रात: अपने घर में मृत अवस्था में पाया गया। मर्ग जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपीगण द्वारा 1,00,000 रुपये की मांग को लेकर लगातार घर जाकर एवं फोन के माध्यम से मृतक को प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर मृतक द्वारा आत्महत्या की गई। मर्ग जांच उपरांत थाना सुपेला चौकी स्मृति नगर में अपराध क्रमांक 457/2026 धारा 108, 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। प्रकरण में फरार आरोपिया सोनिया गोस्वामी को दिनांक 06.04.2026 को उसके निवास स्थान ग्राम जेवरासिरसा से गिरफ्तार किया गया। आरोपिया को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्यवाही में चौकी स्मृति नगर पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। टीम द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपिया को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की प्रताड़ना या अवैध दबाव की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। ऐसे मामलों में सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल : दुर्ग में केनाल रोड निर्माण हेतु 6.64 करोड़ की स्वीकृति

दुर्ग । दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र ही यातायात सुविधा की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा दुर्ग में केनाल रोड निर्माण के लिए 6 करोड़ 64 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र ही भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। प्रस्तावित केनाल रोड साइंस कॉलेज के समीप से ग्रीन चौक तक निर्मित किया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1100 मीटर एवं चौड़ाई 10 मीटर होगी। यह मार्ग दुर्ग शहर का पहला केनाल रोड होगा, जो शहर के यातायात तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दुर्ग शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए यह सड़क एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित होगी, जिससे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और नागरिकों को आवागमन में सुगमता प्राप्त होगी। इसके साथ ही क्षेत्र के समग्र शहरी विकास को भी गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि दुर्गवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को ध्यान में रखते हुए बीते वर्ष मुख्यमंत्री के दुर्ग प्रवास के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने केनाल रोड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए वित्त विभाग ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के समग्र विकास और नागरिकों की सुविधा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केनाल रोड के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। उन्होंने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री एवं वित्त विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में दुर्ग को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहर बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश की सरकार दुर्ग शहर में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान कर रही है। केनाल रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं न केवल शहर के इफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार के नेतृत्व में दुर्ग को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं विकसित शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। दुर्ग में केनाल रोड की स्वीकृति मिलने पर दुर्ग निगम पार्षद और कार्यकर्ताओ ने मंत्री गजेन्द्र यादव से मिलकर उनका आभार जताये है। प्रदेश की सरकार दुर्ग के विकास के लिए निरंतर राशि स्वीकृति प्रदान कर रही है, प्रगतिरत कार्य पूर्ण होने पर दुर्ग विकसित शहर की श्रेणी आएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क नाली सहित सभी मूलभूत कार्य हो रहे है। केनाल रोड बनने से भिलाई की ओर से आने वाहन सीधे ग्रीन चौक होते हुए आगे बढ़ जायेंगे इससे समय और ईंधन की बचत होगी तथा चौड़ी सड़क से आवागमन सुरक्षित होगा।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100